राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,26 नवेम्बर-2021 वर्ष-4,अंक-303 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सामूहिक दुष्कर्म और आत्महत्या के मामले में युवती की साइकिल मिली,दो युवकों भी पकड़ा

क्रांति समय,सूरत

वडोदरा,शहर के वैक्सीन मैदान में पिछले महीने के अंत में एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ था, जिसके बाद पीड़िता ने ट्रेन में आत्महत्या कर ली थी। मामले की जांच कर रही पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में ले लिया है। जिसमें एक शख्स जिसके पास से युवती की साइकिल मिली है और दूसरे से युवती ने बातचीत की थी। गौरतलब है कि गत 30 नवंबर को वडोदरा के वैक्सीन मैदान में एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था और उसके बाद इस महीने के प्रारंभ में युवती ने ट्रेन में फांसी लगाकर जान दे दी थी। 25 दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस इस मामले के आरोपियों को अब तक पकड़ने में नाकाम रही है। लेकिन पुलिस पुलिस को युवती की साइकिल मिल गई है और उस युवक को भी पुलिस ने पकड़ लिया है, जिसके साथ युवती ने 36 सैंकड बातचीत की थी। सूरत रेलवे स्टेशन पर युवती से इमरान नामक शख्स ने 36 सैंकड बातचीत की थी। इमरान पिछले काफी समय से कर्नाटक में रहता था। हांलाकि अभी यह साफ नहीं हुआ है कि इमरान और युवती के बीच क्या संबंध थे? ट्रेन में महाराष्ट्र की ओर जा रही युवती क्या इमरान से मिलने जा रही थी? पकड़े गए इमरान का उस संस्था के साथ कोई संबंध है जिसके लिए युवती काम करती थी? ऐसे कई पहलुओं को ध्यान में रखकर पुलिस ने जांच शुरू की है। दूसरी ओर पुलिस ने उस साइकिल को भी खोज निकाला है, जिस पर युवती को अंतिम बार देखा गया था। यह साइकिल एक प्राइवेट सिक्युर्टी गार्ड महेश राठवा की बताई गई जगह शहर के पुनितनगर के ए/13 बंद बंगले के परिसर से बरामद की गई है। महेश राठवा ने साइकिल को कचरे के ढेर के नीचे छिपा दी थी। यह वही साइकिल है जिस पर युवती जा रही थी और ऑटो रिक्शा ने उसे टक्कर मार दिया था। युवती के गिरने के बाद ऑटो रिक्शा चालक उसे वैक्सीन मैदान में घसीट ले गए,

जहां उसके साथ दुष्कर्म किया था। उसी जगह से महेश राठवा साइकिल उठाकर अपने घर ले गया था। महेश राठवा की पत्नी ने स्वीकार किया है कि उसका पति साइकिल चोरी कर घर लाया था और उसके टायर निकाल कर छिपा दिए थे।

एक टायर कबाड़ की दुकान में बेच दिया था और दूसरा टायर महेश राठवा के घर बरामद हुआ है। पुलिस ने अन्य एक सिक्युरिटी गार्ड कमलेश राठवा को भी हिरासत में लिया है।

नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ के आरोप में करटे कोच गिरफ्तार,निवर्स्तर कर की थी तेल मालिश

क्रांति समय,सूरत

वडोदरा,शहर में एक युवती से सामूहिक दुष्कर्म और आत्महत्या की गुत्थी अभी सुलझी नहीं है कि संस्कारी नगर माने जाते वडोदरा को शर्मशार करने की घटना सामने आई है। शहर में कराटे क्लास के संचालक ने एक नाबालिग लड़की को निर्वस्त्र कर उसके शरीर तेल मालिश की और उसके साथ छेड़छाड़ भी की। पुलिस ने संचालक को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के घनश्याम पार्क में विकास सोढी नामक शख्स कराटे क्लास चलाता है। जहां एक नाबालिग लड़की भी कराटे की ट्रेनिंग लेने आती थी। विकास सोढी ने इस नाबालिग लड़की को निर्वस्त्र कर दिया और उसके शरीर तेल मालिश की। इतना ही नहीं विकास सोढी ने लड़की से छेड़छाड़ के साथ उसके गाल पर चुंबन भी किया। लड़की ने जब अपनी माता को घटना की शिकायत की तो वह चौंक उठी। बाद में लड़की की माता ने वडोदरा के मकरपुरा पुलिस थाने में विकास सोढी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने विकास सोढ़ी को गिरफ्तार कर लिया और पोस्को एक्ट, 354ए, 345बी के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

सूरत मनपा के उच्च अधिकारीयों के मार्गदर्शन अंतर्गत किया गया डिमोलिशन

पानी से बनाई गई ओम इंडस्ट्रीज पर सूरत मनपा के उधना ज़ोन में किया गया महान डिमोलिशन तीन छेद कर किया कार्य पूरा.

दूध से बना राज इंडस्ट्रीज में किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करने का आदेशानुसार सूरत मनपा मनपसंद कामकाजों में करते कार्यवाही सिर्फ नाम मात्र.

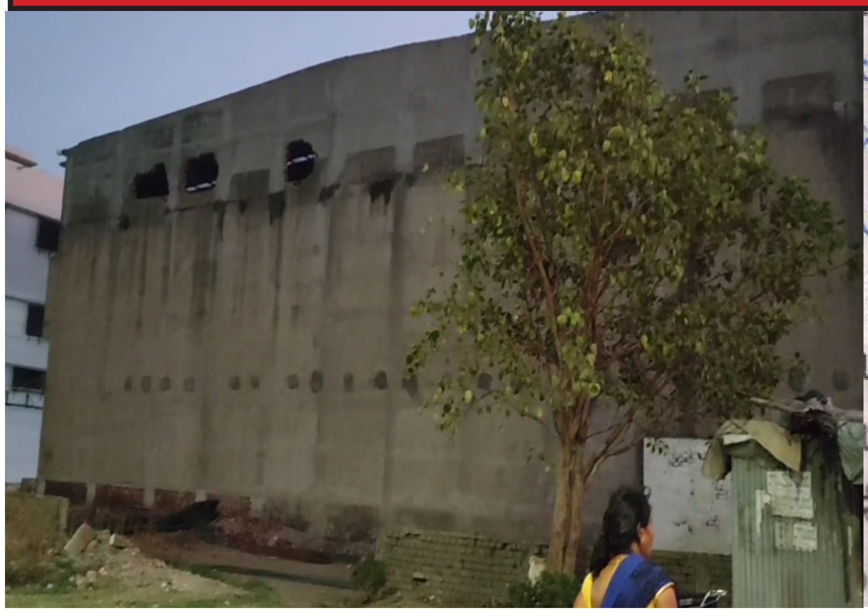

फर्जीवाड़ा से बना राज इंडस्ट्रीज पर भू-माफियाओं, अधिकारीयों के हाथ नही पुरेके पुरे दूध से नहाया धोया होने से कुछ दिखाई देते नही

भू-माफ़िया के साथ-सहयोग से अधिकारीगण जनता के टेक्स का पगार भी लेते और भू-माफियागिरी कर दूध से धुलाई किया गई कामकाज पर नजर भी नही डालते ?

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार कुबेर भी यदि आय से अधिक व्यय करे तो निर्धन हो जाता है। - चाणक्य

संपादकीय

वापसी की शुरुआत

तीन नए कृषि कानूनों की वापसी की सांविधानिक प्रक्रिया का शुरू होना न केवल ऐतिहासिक, बल्कि एक सीखने योग्य कदम भी है। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने इन कानूनों की वापसी वाले विधेयक को मंजूरी दे दी है और अब इसे 29 नवंबर से शुरू हो रहे संसद सत्र में पेश किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते शुक्रवार को तीनों कानूनों की वापसी की घोषणा करके सबको चौंका दिया था। पर किसान पूरे खुश नहीं हुए, उन्हें ऐसा लग रहा था कि देर-सबेर सरकार बात करेगी, वैसे उन्हें अभी भी उम्मीद है कि सरकार बात करेगी। संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े 40 संगठन दिल्ली की सीमाओं पर डटे हुए हैं व एमएसपी गारंटी समेत छह मांगों के पूरा होने पर ही लौटने की बात कह रहे हैं। संसद में बहुमत से पारित तीन कानूनों की वापसी अपने आप में मिसाल है, जिससे भविष्य में दूसरे आंदोलनों को प्रेरणा मिल सकती है। वैसे मोटे तौर पर सरकार के फैसले से किसानों का हौसला बढ़ा है और वे चाहते हैं कि बाकी तमाम मांगों को भी लगे हाथ मनवा लिया जाए। दिल्ली में किसान आंदोलन को एक साल पूरे हो रहे हैं और किसानों ने एक बार फिर 26 नवंबर को ज्यादा से ज्यादा संख्या में जुटने का एलान कर दिया है। 27 नवंबर को संयुक्त किसान मोर्चा फिर बैठक करेगा। 29 नवंबर को 60 ट्रैक्टरों के साथ 1,000 किसान संसद की ओर मार्च करेंगे। कुल मिलाकर, दिल्ली की सीमाओं पर मुश्किलें फिर बढ़ेंगी। 26 जनवरी को जो हुआ था, उसे कोई भूला नहीं है। वैसे भी जाम के लिए किसान खुद को जिम्मेदार नहीं मानते हैं। किसान नेता राकेश टिकैत ने बता दिया है कि 'हमने सड़क को अवरुद्ध नहीं किया है। सड़क रोकना हमारे आंदोलन का हिस्सा नहीं है। हमारा आंदोलन सरकार से बात करना है। हम सीधे संसद जाएंगे।' अगर 29 नवंबर को किसान सीधे संसद पहुंचकर सरकार से बात करते हैं, तो यह भी ऐतिहासिक और भविष्य के लिए असरदार होगा। कुछ किसान भले ही मान रहे हैं कि अब घर लौट जाना चाहिए, पर ज्यादातर निर्णायक किसान नेता घर लौटने के पक्षधर नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने भी माना था कि हम कुछ किसानों को समझा नहीं पाए। अत:यह समय है कि इन कुछ लोगों को मनाने के प्रबंध किए जाएं, ताकि आंदोलन समाप्त हो और राजधानी की बाधाएं दूर हों। इस आंदोलन की वजह से अब तक जान-माल का बहुत नुकसान हुआ है, आगे आंदोलन में किसानों को भी यह ध्यान रखना चाहिए। बेशक, किसानों के साथ ज्यादातर लोगों की सहानुभूति है, लेकिन इसे बचाकर रखना किसानों की भी प्राथमिकता होनी चाहिए। किसानों को भी बातचीत की राह तैयार करने के लिए पहल करनी चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि भविष्य में जो भी कानून बने, मिल-जुलकर सलाह-मश्विरे के बाद ही बने। इस आंदोलन से किसानों को एकजुटता का जो सबक मिला है, यह भविष्य में उनकी अन्य समस्याओं को सुलझाने में मददगार बनेगा। केवल केंद्र सरकार ही क्यों, राज्य सरकारों पर भी यह दबाव रहना चाहिए कि वे कृषि और कृषक हित में अपने स्तर पर समूचित उदारता बरतें। संसद में भी सभी पार्टियों को मिलकर यह कोशिश करनी चाहिए कि आंदोलन व्यावहारिक समाधान पर समाप्त हो। सरकार के लिए भी यह अपरिहार्य है कि अब उसके काम का तरीका ऐसा हो कि फिर ऐसे किसी आंदोलन की नौबत न आए।

जागरूकता

जग्गी वासुदेव

अगर आप जागरूकता के साथ सोना चाहते हैं तो आप को अपने शरीर का कोई भाव नहीं होना चाहिए। जब आपकी शरीर के रूप में पहचान पूरी तरह से टूट जाए, तभी आप जागरूकता के साथ सो सकेंगे। हम जब जागते हैं तब हम होश में होते हैं लेकिन हमारी ऊर्जा कई तरह से काम पर लगी होती हैं। हमें बैठना होता है, बोलना होता है, कुछ न कुछ काम करना होता है। लेकिन यदि मैं जागरूकता के साथ सोता हूं तो मेरी ऊर्जा पूरी तरह से एकत्रित रहती हैं। और मैं चेतन भी होता हूं। तो इसका अर्थ ये है कि मैं अपनी कार्यक्षमता के शिखर पर होता हूँ। अत: जब शिव कहते हैं,'अगर आप मुश्किल में हैं तो मैं सो जाऊंगा' तो इसका अर्थ ये है,'मैं तुम्हारे लिए सबसे अच्छा प्रयत्न करूंगा, सर्वोत्तम काम करूंगा', क्योंकि उस समय वे अपनी सर्वोत्तम अवस्था में होते हैं। आप में से जिन लोगों को शून्य ध्यान में दीक्षित किया गया है, उनको कभी कभी, यहां वहां कुछ ऐसे क्षणों का अनुभव हुआ होगा जिन्हें हम योग में सुषुप्ति अवस्था कहते हैं-जिसका अर्थ है गहरी नींद सोना पर बिल्कुल जागृत रहना। जिस दिन आप के लिए ये सुषुप्ति अवस्था बस दो या तीन सेकेंड भी टिक जाए तो फिर रात को आप सो नहीं सकेंगे, आप एकदम होश में रहेंगे, शानदार और सचेत। जब आपने शरीर के रूप में अपनी पहचान नहीं बनाई है, सिर्फ तभी आप के लिए जागरूकता के साथ सोने की संभावना बनेगी। एक बार एक कछुए का छोटा बच्चा बहुत प्रयत्न के साथ, धीरे-धीरे, एकदम ध्यान से, सही ढंग से 24 घंटे का समय ले कर पेड़ पर चढ़ा, फिर एक डाल से कूद गया और सीधा जमीन पर आ गिरा। फिर से अगले 24 घंटों में रेंगते हुए चढ़ा, फिर कूदा और जमीन पर आ गिरा। बार-बार यही होता रहा। चार दिनों के बाद सामने के पेड़ पर बैठे दो पक्षियों में से एक बोला,'मुझे लगता है कि अब हमें उसे बता देना चाहिए कि वह हमारी गोद ली हुई संतान है'। तो मुझे भी लगता है कि मैं आप को बता दूं,'होशपूर्वक सोने के लिए प्रयत्न करना जरूरी है पर ये पर्याप्त नहीं है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि आपको अपने और अपने भौतिक स्वभाव के बीच एक फासला बनाना होगा।

विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान भारत का संविधान

संविधान दिवस -26 नवम्बर) पर विशेष (लेखक- योगेश कुमार गोयल)

विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान भारत का संविधान है, जो वैसे तो 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था लेकिन इसे 26 नवम्बर 1949 को ही स्वीकृत कर लिया गया था। इसी दिन भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ था, इसीलिए 26 नवम्बर का दिन ही 'संविधान दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन संविधान निर्माता के रूप में डा. भीमराव अम्बेडकर को याद किया जाता है, जिन्होंने दुनिया के सभी संविधानों को परखने के बाद भारतीय संविधान के रूप में दुनिया का सबसे बड़ा संविधान तैयार किया। भारत का संविधान ऐसा महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देता है और साथ ही हमारे कर्त्तव्यों को भी निर्धारित करता है। संविधान सभा को इसे तैयार करने में 2 साल 11 महीने 18 दिन का लंबा समय लगा था। नरेन्द्र मोदी के देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद वर्ष 2015 में पहली बार निर्णय लिया गया कि संविधान सभा की निर्मात्री समिति के अध्यक्ष डा. भीमराव अम्बेडकर के 125वें जयंती वर्ष के अवसर पर 26 नवम्बर 2015 को संविधान दिवस मनाया जाए और तभी से यह दिवस मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई। यह दिवस मनाए जाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को संविधान के प्रति सचेत करना, समाज में संविधान के महत्व का प्रसार करना तथा डा. भीमराव अम्बेडकर के अमूल्य योगदान और उनके विचारों, आदर्शों का स्मरण करना है। भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति की स्थापना 29 अगस्त 1947 को की गई थी, जिसके अध्यक्ष के तौर पर डा. भीमराव अम्बेडकर की नियुक्ति की गई। पं. जवाहरलाल नेहरू, डा राजेन्द्र प्रसाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद इत्यादि इस सभा के प्रमुख सदस्य थे। संविधान सभा के अध्यक्ष डा राजेन्द्र प्रसाद थे और नियमानुसार संविधान पर सबसे पहले हस्ताक्षर भी उन्हीं के होने चाहिएं थे किन्तु पं. नेहरू ने संविधान पर सबसे पहले हस्ताक्षर किए थे। संविधान का मसौदा तैयार करने में किसी भी प्रकार की टाइपिंग अथवा प्रिंटिंग का इस्तेमाल नहीं किया गया। 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू किया गया, तभी से हम इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मना रहे हैं। संविधान लागू होने से दो दिन पहले 24 जनवरी 1950 को संविधान की तीनों प्रतियों पर संविधान सभा के 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। संविधान सभा के सदस्य भारत के राज्यों की सभाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा चुने गए थे। 9 दिसम्बर 1946 को संविधान सभा सच्चिदानंद सिन्हा की अध्यक्षता में पहली बार समवेत हुई थी लेकिन मुस्लिम लीग ने अलग पाकिस्तान बनाने की मांग को लेकर इस बैठक का बहिष्कार किया था। 11 दिसम्बर 1946 को हुई संविधान सभा की बैठक में डा. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया और वे संविधान के निर्माण का कार्य पूरा होने तक इस पद पर रहे। 14 अगस्त 1947 को भारत डोमिनियन की प्रभुत्ता सम्पन्न संविधान सभा पुन: समवेत हुई और 29 अगस्त 1947 को स्वतंत्र भारत में संविधान सभा द्वारा संविधान निर्मात्री समिति का गठन किया गया, जिसका अध्यक्ष सर्वसम्मति से डा. भीमराव अम्बेडकर को बनाया गया। संविधान प्रारूप समिति की बैठकें 114 दिनों तक चली। संविधान के निर्माण कार्य पर कुल 63 लाख 96 हजार 729 रुपये का खर्च आया और इसके निर्माण कार्य में कुल 7635 सूचनाओं पर चर्चा की गई। संविधान सभा में शुरू में 389 सदस्य थे किन्तु मुस्लिम लीग द्वारा स्वयं को इससे अलग कर लिए जाने के बाद संविधान सभा के सदस्यों की संख्या 299 रह गई थी। बहुत कम लोगों को ही भारतीय संविधान की पहली प्रति के बारे में मालूम होगा कि संविधान के जो सजे हुए चित्र हम देखते हैं, वह संविधान की पहली हस्तलिखित प्रति के ही चित्र हैं। इस प्रति को दिल्ली निवासी प्रेम बिहारी रायजादा ने कैलीग्राफी के जरिये तैयार किया था। 1400 पन्नों की संविधान की प्रति को अंग्रेजी में रास बिहारी ने और हिन्दी में वी के वैद्य ने लिखा, जिन्होंने इसे लिखने का कार्य एक हफ्ते में ही पूरा कर दिया था। इसी संविधान की तीन प्रतियां बनवाई गई, जिनमें से दो को नंदलाल बोस और राम मनोहर सिन्हा द्वारा सुसज्जित पन्नों पर प्रेम बिहारी रायाजादा ने, एक हिन्दी और दूसरी अंग्रेजी में तैयार किया जबकि तीसरी प्रति को अंग्रेजी में देहरादून में छपवाया गया। यह हमारे लिए आश्चर्य के साथ गौरव की भी बात है कि इतना महत्वपूर्ण दस्तावेज होते हुए भी भारतीय संविधान की मूल प्रति हस्तलिखित ही है, जिसकी पहली दो प्रतियां हिन्दी और अंग्रेजी में हैं।26 नवम्बर 1949 को संविधान का पहला ड्राफ्ट तैयार हो जाने पर तय हुआ कि संविधान की पहली प्रति को कैलीग्राफी की खूबसूरत कला में सहेजा जाए। तब पं. नेहरू ने कैलीग्राफी कला में महारत हासिल प्रेम बिहारी रायजादा से खूबसूरत लिखावट में इटैलिक अक्षरों में संविधान की प्रति लिखने का अनुरोध किया और इस तरह रायजादा ने छह महीने में इस कार्य को पूरा किया। पं. नेहरू ने प्रख्यात चित्रकार आचार्य नंदलाल बोस से भारतीय संविधान की मूल प्रति को अपनी चित्रकारी से सजाने का आग्रह किया था और इस प्रकार 221 पृष्ठों के इस दस्तावेज के सभी 22 भागों में से प्रत्येक को एक-एक चित्र से सजाया गया और भारतीय संविधान की इस मूल प्रति पर इन 22 चित्रों को बनाने में चार साल का समय लगा। इसके प्रस्तावना पृष्ठ को नंदलाल बोस के शिष्य राममनोहर सिन्हा ने सजाया था। हमारे संविधान की मूल प्रतियों को लेकर यह तथ्य भी बहुत ही कम लोग जानते होंगे कि संविधान की इन बेशकीमती प्रतियों को संसद भवन की लाइब्रेरी के एक कोने में बने स्ट्रांग रूम में सहेजकर रखा गया है, जिन्हें पढ़ने की इजाजत किसी को भी नहीं है। संविधान की ये प्रतियां कभी खराब न हो सकें, इसके लिए इन्हें हीलियम गैस से भरे केस में सुरक्षित रखा गया है। यही कारण है कि हमारे देश की यह अमूल्य धरोहर हमारे पास सुरक्षित और आज भी मूल अवस्था में है। हीलियम एक ऐसी अक्रिय गैस है, जो संविधान की प्रति के पन्नों को वातावरण के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया करने से रोकती है। निर्माण के समय मूल संविधान में 395 अनुच्छेद शामिल थे, जो 22 भागों में विभाजित थे और इसमें केवल 8 अनुसूचियां थी। भातीय संविधान में अब 448 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां शामिल हैं और इसमें अभी तक 101 बार संशोधन हो चुके हैं। संविधान में किए गए इन संशोधनों के जरिये सामयिक जरूरतों के अनुरूप जनतंत्र और शासन प्रणाली को मजबूती प्रदान करने के प्रयास किए गए। संविधान में पहला संशोधन वर्ष 1951 में किया गया था, जिसके तहत स्वतंत्रता, समानता एवं सम्पत्ति से संबंधित मौलिक अधिकारों को लागू करने संबंधी व्यावहारिक कठिनाइयों का निराकरण करने के लिए संविधान में नवीं अनुसूची जोड़ी गई थी।

अवसाद के उपचार में पिछड़ते हम?...

(लेखिका- सोनम लववंशी)

वर्तमान दौर की अगर कोई सबसे बड़ी चुनौती किसी भी राष्ट्र के सामने है तो वह निसंदेह मानसिक तनाव ही है। इस बीमारी से आज़कल हर आयु वर्ग के लोग पीड़ित हैं, लेकिन भारत में इसे सामान्य मानकर ही आगे बढ़ा जाता है। जो सबसे बड़े दुर्भाग्य की बात है। बात की शुरुआत ही एक आंकड़े से की जाएं, तो एक रिपोर्ट का ज़िक्र करना बेहद जरूरी हो जाता है। गौरतलब हो कि 'द स्टेट आफ द वर्ल्ड चिल्ड्रेन- 2021 आन माय माइंड' के अनुसार भारत में 15 से 24 वर्ष के 41 फ़ीसदी बच्चों व किशोरों ने मानसिक बीमारी के लिए मदद लेने की बात कही है। अब आप सोच सकते हैं कि मानसिक अवसाद किस स्तर पर और कहां-कहां व्याप्त हो चला है, लेकिन इसकी गम्भीरता को शायद अभी सिरे से नकारा जा रहा है। इतना ही नहीं यह रिपोर्ट 21 देशों के करीब 20 हजार बच्चों पर हुए इस सर्वेक्षण से निकलकर आई है। जिसमें करीब 83 फीसदी बच्चे इस बात को लेकर जागरूक दिखे कि मानसिक परेशानियों के लिए किसी विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए। वहीं भारत के संदर्भ में भी इस विषय को लेकर गंभीरता देखने को मिली लेकिन अभी भी स्थिति अन्य देशों की अपेक्षा उतनी बेहतर नहीं है जितनी की होनी चाहिए। मालूम हो कि आज हर वर्ग के लोग इस भयंकर बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। पल-पल बढ़ता तनाव न केवल मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है बल्कि यह हमारे जीवन के लिए भी संकट पैदा कर रहा है। आए दिन लाखों लोग मानसिक अवसाद के कारण आत्महत्या तक कर लेते है पर अफ़सोस की इस गम्भीर बीमारी के प्रति हम सजग नहीं हो पा रहे हैं। वहीं बात अगर महिलाओं की ही करे तो समाज में सबसे ज्यादा मानसिक अवसाद का शिकार महिलाएं ही है और इसकी वजह भी है। वह भी ख़ास तौर पर महिलाओं का भावनात्मक रूप से शोषण किया जाना। आज महिलाएं भले ही आधी आबादी का प्रतिनिधित्व कर रही हो लेकिन इस बात से नकारा नहीं जा सकता कि आज भी समाज में महिलाओं का शोषण हो रहा है। पितृसत्तात्मक समाज आज भी महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार कर रहा है। आज भी समाज मे पुरूष वर्ग महिलाओं के जीवन पर स्वामित्व हासिल करने का प्रयास कर रहा है। इतना ही नहीं आज भी महिलाओं को पुरुषों के समान न तो अधिकार मिल पाएं हैं और न ही स्वतंत्रता। इसके अलावा महिलाओं के साथ लैगिक भेदभाव उनके जन्म के पूर्व से ही प्रारम्भ हो जाता है और आगे चलकर यही भेदभाव मानसिक तनाव की एक वजह बनता है। गौरतलब हो कि आज समाज में ऐसा कोई वर्ग नहीं जहां महिलाएं प्रताड़ना का शिकार न हो रही हो। बचपन से ही दुर्भावना का शिकार होती महिलाएं मानसिक अवसाद के दलदल में फंसती चली जाती है। हमारे देश के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा था कि भारत, 'एक सम्भावित मानसिक स्वास्थ्य महामारी का सामना कर रहा है'। ऐसे में यह कोई अतिशयोक्ति नहीं, राष्ट्रपति महोदय की यह बात कहीं न कहीं सोलह आने सच है, क्योंकि आज हमारे देश की युवा पीढ़ी तक इस अवसाद से ग्रसित है। हर दिन मानसिक अवसाद के कारण युवा अपनी जान तक ले लेते है, लेकिन अफ़सोस की इस बीमारी के प्रति न हमारी सरकार गम्भीर है और न ही हमारा समाज। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो लगभग सभी उम्र के 280 मिलियन से भी अधिक लोग मानसिक अवसाद का शिकार है। विश्व बैंक का मानना है कि आने वाले 10 सालों में मानसिक अवसाद अन्य बीमारियों की अपेक्षा राष्ट्र पर अधिक असर डालेगा। इतना ही नहीं हम तो उस देश के नागरिक हैं। जहां सामान्य बोलचाल की भाषा में भी 'चिंता को चिता के समान' माना गया है। फ़िर भी आज़तक मानसिक अवसाद को लेकर कोई गम्भीरता किसी भी तरफ़ से देखने को नहीं मिलती है। वहीं समय समय पर विभिन्न संस्थाओं के द्वारा जारी रिपोर्ट भी यह बताने के लिए काफी है कि इस गम्भीर बीमारी के प्रति हम अब भी जागरूक नहीं हो रहे है। हमारा देश मानसिक अवसाद के मरीजों की श्रेणी में अग्रणी देशों में शामिल है। वहीं हम इस गम्भीर विषय को नजरअंदाज करते आ रहे हैं। डिप्रेशन को हम आम मानसिक विकार की तरह देखते है। यही वजह है कि देश में 45.7 मिलियन लोग इसका शिकार है। सामाजिक जनसांख्यकीय सूचकांक (एसडीआई) राज्य समूह में तमिलनाडु, केरल, गोवा व तेलंगाना अवसादग्रस्त राज्यों में अग्रणी है और यही वे राज्य हैं। जो कहीं न कहीं शिक्षा के मामले में देश में बेहतर हैं। ऐसे में यह समझ सकते हैं कि शिक्षित होना भी इससे अछूते होने का आधार नहीं। वही पुरुषों की तुलना में महिलाओं में 3.9 प्रतिशत अधिक डिप्रेशन की सम्भावना रहती है। महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाना मानसिक अवसाद को ओर कई गुना बढ़ाता है। मानसिक अवसाद की समस्या न केवल भारत में है अपितु वैश्विक स्तर पर यह एक गम्भीर बीमारी बनता जा रहा है। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम 2017 की बात करें तो यह भारत में मानसिक स्वास्थ्य के सुधारो की वक़ालत करता है और यह अधिनियम मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम 1987 को रद्द करके बनाया गया था। इस अधिनियम की विफलता की सबसे बड़ी वजह यह थी कि यह अधिनियम मानसिक रोगियों के अधिकारों और अभिकर्तव्यों की रक्षा करने में असमर्थ था, लेकिन नया अधिनियम आने के बाद भी स्थिति प्रतिकूल ही है। इसके अलावा कोविड महामारी में मानसिक स्वास्थ्य की समस्या ओर कई गुना बढ़ गई है। इसके बावजूद हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था में मानसिक अवसाद को लेकर कोई प्रावधान नहीं बनाए गए है। हमारे देश के संविधान का अनुच्छेद- 21 निर्बाध जीवन जीने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। वहीं स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदहाली जीवन जीने के अधिकार को बाधित कर रही है। स्वास्थ्य के प्रति सरकार की बढ़ती बेरुख़ी यह बताने के लिए काफ़ी है कि हम स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकता को किस हद तक नजरअंदाज कर रहे है।

सू-दोकू नवताल -1972

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

सू-दोकू -1971 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1972

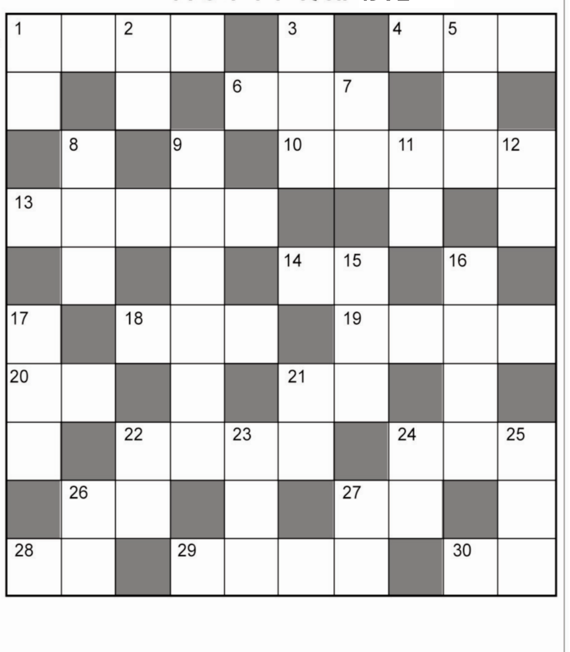

बायें से दायें:-

1. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-4
4. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-3
6. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-3
10. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-5
13. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-5
14. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-2
18. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
19. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-4
20. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-2
21. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-2
22. ऋषिक पूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-4
24. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-3
26. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-2
27. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-2
28. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-2
29. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-4
30. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-2

ऊपर से नीचे:-

1. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-2
2. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-2
3. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-3
5. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-3
7. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-2
8. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-3
9. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-2,1,3
11. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-2
12. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-2
15. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-3
16. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-4
17. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-3
21.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-2
22. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-2
23. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-3
24. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-2
25. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-3
26. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-2
27. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 1971

म	न	मं	दि	र	■	गु	म	रा	ह
धु	■	थ	■	न	गी	ना	■	धि	■
मं	हा	न	ता	■	त	ह	की	का	त
ती	■	■	क	र्ज	■	■	म	■	प
■	अ	मृ	त	■	चा	ह	त	■	स्या
सं	■	त्यु	■	मु	नी	म	■	श	■
ग्र	रौ	दा	■	क्ति	■	रा	जा	बा	बू
र्ष	■	ता	ल	■	आ	ज	■	ना	म
■	कौ	■	गा	य	ब	■	जू	■	■
खा	न	दा	न	■	रू	दा	ली	■	माँ

क्रांति समय
शुक्रवार,26 नवम्बर-2021

वेपार 3

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वेदांता समूह 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। वेदांता समूह ने प्राकृतिक संसाधन क्षेत्र में पर्यावरण, सामाजिक दायित्व एवं कंपनी कामकाज (ईएसजी) मामले में अग्रणी बनने का संकल्प जताया। कंपनी ने कहा कि वह वर्ष 2050 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। वेदांता ने पर्यावरण, सामाजिक दायित्व एवं कंपनी कामकाज मानकों पर समूह की प्रतिबद्धता जताने वाला अपना बयान जारी किया। उसने अगले दस वर्षों में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने के लिए पांच अरब डॉलर के निवेश का संकल्प भी जताया। इस मौके पर वेदांता समूह ने अपने ध्येय वाक्य को भी बदला है। अब वेदांता समाज में सार्थक बदलाव का संदेश देने के लिए अच्छे के लिए बदलते हुए को अपना ध्येय बनाया है। वेदांता ने कहा कि एक विविधिकृत प्राकृतिक संसाधन कंपनी के तौर पर वेदांता टिकाऊ एवं जिम्मेदार वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। यह पर्यावरणीय सहयोग, सामाजिक समता एवं प्रभाव और अच्छे कॉरपोरेट शासन के सिद्धांतों पर निर्भर करता है।

अमेरिका में बेरोजगारी के दावे निम्न स्तर पर

वाशिंगटन। बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदन करने वाले अमेरिकियों की संख्या पिछले हफ्ते गिरकर आधी सदी से भी अधिक के निम्नतम स्तर पर आ गयी। यह इस बात का एक और संकेत है कि अमेरिकी रोजगार बाजार पिछले साल कोविड-19 महामारी की वजह से आई मंदी से तेजी से उबर रहा है। बेरोजगारी लाभ के दावे में 71,000 की कमी आयी और यह 1,99,000 रहा। यह 1969 के मध्य नवंबर के बाद से सबसे कम है। थैंक्सगिविंग (त्योहार) अवकाश के आसपास मौसमी समायोजन ने अपेक्षा से अधिक हुई इस गिरावट में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दावों का चार-सप्ताह का औसत भी गिर गया, जो साप्ताहिक उतार-चढ़ाव को सुचारू करता है। यह 21,000 की कमी के साथ 2,52,000 हो गया। यह मार्च 2020 के मध्य के बाद से सबसे कम है, जब महामारी ने अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया था।

कोल इंडिया का 50,000 करोड़ व्यय का लक्ष्य

कोलकाता। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने कहा कि कंपनी का अगले चार-पांच साल में 40,000 से 50,000 करोड़ रुपए पूंजी व्यय का लक्ष्य है। कोल इंडिया के एक वे रिष्ठ अ धिकारी ने निवेशकों से कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए 17,000 करोड़ रुपए का पूंजी व्यय योजना के अनुसार है। उन्होंने यह माना कि कीमत समीक्षा जरूरी है और यह जल्दी ही होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हमने अब तक 7,000 करोड़ रुपए पूंजी व्यय किए हैं और चालू वित्त वर्ष के लिए हमारा 17,000 करोड़ रुपए का लक्ष्य योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है। हम अगले चार-पांच साल में लगभग 40,000-50,000 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे। उन्होंने कहा कि पूंजी व्यय का ज्यादातर हिस्सा कोयला उत्पादन और निकासी पर खर्च होगा।

जर्मनी ने भारत के लिए 1.2 अरब यूरो की विकास प्रतिबद्धताओं की घोषणा की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जर्मनी ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करने और स्वच्छ ऊर्जा जैसे संबंधित क्षेत्रों में परियोजनाओं में सहायता के लिए भारत को 1.2 अरब यूरो लगभग 10,025 करोड़ रुपए से अधिक की नई विकास प्रतिबद्धताओं की घोषणा की। जर्मनी के राजदूत वाल्टर लिंडनर ने कहा कि विकास के लिए समर्थन और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई भारत और उनके देश के बीच संबंधों के प्रमुख क्षेत्रों में है। उन्होंने कहा कि इस ग्रह पर हर पांचवां व्यक्ति भारतीय है। भारतीयों के बिना, आप दुनिया की किसी भी बड़ी समस्या का समाधान नहीं कर सकते तथा जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। उन्होंने कहा कि हम भारत के साथ मिलकर काम करने की कोशिश करते हैं और जलवायु परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा और इसी तरह की परियोजनाओं में मदद करते हैं। यह हमें ग्लासगो में आयोजित सीओपी26 में हमारे द्वारा व्यक्त किए लक्ष्यों की दिशा में काम करने में भी मदद करता है। नई विकास प्रतिबद्धताओं की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह सब महत्वपूर्ण है और कोई भी केवल भारत के साथ मिलकर ऐसा कर सकता है। ऐसे में जब हम भारत का समर्थन करने का प्रयास करते हैं, हम ग्लासगो में व्यक्त अपने लक्ष्यों को पूरा करते हैं। यहां हम देश भर में परियोजनाओं में भारत की सहायता करते हैं।

व्यापार नीति मंच पर लगातार बातचीत से कारोबार की बाधाएं दूर होंगी- यूएसआईबीसी

वाशिंगटन। अमेरिका भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार नीति मंच के तहत भारत और अमेरिका के बीच लगातार बातचीत से कारोबार में बाधाओं को दूर करने में मदद मिलेगी। यूएसआईबीसी ने अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार वार्ता के नवीनतम दौर का स्वागत करते हुए कहा कि इससे निवेश के उच्चस्तर को सुगम बनाने और वस्तुओं एवं सेवाओं में दोतरफा व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कैथरीन ताई ने चार साल में पहली बार हाल ही में नई दिल्ली में भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) की 12वीं मंत्रिस्तरीय बैठक की सह-अध्यक्षता की। यूएसआईबीसी ने गोयल और ताई की बैठक के बाद कहा कि हम दोनों पक्षों के सकारात्मक बयानों से उत्साहित हैं। द्विपक्षीय व्यापार मंच से व्यापार में बाधाओं को दूर करने, निवेश के उच्चस्तर को सुविधाजनक बनाने में मिलेगी और इससे वस्तुओं एवं सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा भी मिलेगा। यूएसआईबीसी ने एक बयान में गोयल और यूएसटीआर प्रतिनिधि ताई को भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच के सफल पुनर्गठन के लिए बधाई दी।

मुकेश अंबानी की बादशाहत को गौतम अडानी दे रहे चुनौती

- दौलत के मामले में मुकेश अंबानी के करीब पहुंचे गौतम अडानी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की गिनती एशिया के सबसे अमीर लोगों में होती है, लेकिन अब उनकी इस बादशाहत को भारत के ही दूसरे अमीर कारोबारी गौतम अडानी चुनौती देते दिख रहे हैं। अडानी अब दौलत के मामले में अंबानी के बहुत ही करीब पहुंच गए हैं। रिलायंस समूह के शेयरों में गिरावट और अडानी समूह के शेयरों में मजबूती की वजह से दोनों में फासला बहुत कम रह गया है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक गुरुवार 25 नवंबर को मुकेश अंबानी की नेटवर्थ घटकर 89.7 अरब डॉलर (करीब 6.68 लाख करोड़ रुपए) रह गई है। दूसरी तरफ गौतम अडानी की संपत्ति बढ़कर 89.1 अरब डॉलर (करीब 6.64 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच गई है। बुधवार को मुकेश अंबानी की संपत्ति में 1.32 अरब डॉलर (करीब 9,841 करोड़ रुपए) की कमी आई, जबकि गौतम अडानी की संपत्ति में 37.5 करोड़ डॉलर (करीब 2795 करोड़ रुपए) की बढ़त हुई है। इसके बावजूद मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर और दुनिया के 12वें अमीर के पायदान पर बने हुए हैं। गौतम अडानी एशिया के दूसरे और दुनिया के 13वें सबसे अमीर शख्स हैं। गौरतलब है कि कल कई मीडिया रिपोर्ट में ऐसी भी खबरें आई थीं कि गौतम अडानी ने मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया है लेकिन ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट से यह साफ है कि अभी गौतम अडानी पीछे हैं। ब्लूमबर्ग हर दिन के आंकड़ों के मुताबिक इंडेक्स प्रकाशित करता है और इसकी रिपोर्ट को प्रमाणिक माना जाता है।

सेंसेक्स 454 अंक उछला, रिलायंस इंडस्ट्रीज में छह प्रतिशत से अधिक की तेजी

मुंबई (एजेंसी)

शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को जोरदार तेजी आयी और बीएसई सेंसेक्स 454 अंक उछलकर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज में तेजी के साथ बाजार में उछाल आया। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 454.10 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 58,795.09 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 121.20 अंक यानी 0.70 प्रतिशत उछलकर 17,536.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज छह प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में रहा। इसके अलावा आईसीआईसीआई, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा,, टाइटन, भारतीय एयरटेल और पावर ग्रिड में भी प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ गिरावट वाले शेयरों में मारुति, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, एचयूएल और एल एंड टी शामिल हैं। आनंद राठी फर्म के इक्विटी शोध (फंडामेंटल) प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा कि घरेलू बाजार में शुरुआत मिली-जुली रही। इसका कारण यूरोप में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के साथ बैंक ऑफ दक्षिण कोरिया का ब्याज दर बढ़ाना था। उन्होंने कहा, ''दोपहर के कारोबार में बाजार में तेजी लौटी। भारत की आर्थिक वृद्धि दर मजबूत रहने के मूडीज के अनुमान से बाजार पर सकारात्मक असर पड़ा। रेटिंग एजेंसी ने वित्त वर्ष 2021-2 में वृद्धि दर 9.3 प्रतिशत और 2022-23 में 7.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।'' एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की लाभ में रहे जबकि चीन में शंघाई कंपोजिट सूचकांक और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे।यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के सत्र के दौरान सकारात्मक रुख था। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.38 प्रतिशत फिसलकर 81.94 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम को पांच वर्षों की मंजूरी, 3,054 करोड़ रुपये का स्टाइपेन्ड स्वीकृत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने शिक्षा मंत्रालय की राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) को वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक (31 मार्च 2026 तक) की मंजूरी दी है। इस अवधि के लिए अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं को 3,054 करोड़ रुपये की वृत्तिका सहायता देने के लिए मंजूरी दी गई है। उद्योग और वाणिज्यिक संगठनों द्वारा लगभग 9 लाख प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। एनएटीएस भारत सरकार की एक सुस्थापित योजना है, जिसने सफलतापूर्वक अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने में योगदान दिया है। राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना केंद्र सरकार की एक कौशल ट्रेनिंग स्कीम है। इसके तहत छात्रों को सरकारी, निजी संस्थानों में कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता रहा है। एनएटीएस उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) के तहत मोबाइल विनिर्माण, चिकित्सा उपकरण विनिर्माण, फार्मा क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स,प्रौद्योगिकी, उत्पाद, ऑटोमोबाइल क्षेत्र जैसे उभरते क्षेत्रों में अप्रेंटिसशिप उपलब्ध कराएगी। यह योजना गतिशक्ति के तहत पहचान किए गए कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक उद्योग क्षेत्रों के लिए कुशल मानवशक्ति भी तैयार करेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इंजीनियरिंग, मानविकी, विज्ञान और वाणिज्य में स्नातक और डिप्लोमा कार्यक्रम पूरा करने वाले प्रशिक्षुओं को क्रमश 9,000 रुपये और 8,000 रुपये प्रति माह की वृत्तिका (स्टाइपेन्ड) दी जाएगी। केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के मुताबिक सरकार ने अगले पांच वर्षों के लिए 3,000 करोड़ रुपये से अधिक के व्यय को मंजूरी दी है, जो पिछले पांच वर्षों के दौरान किए गए व्यय से लगभग 4.5 गुना अधिक है। अप्रेंटिसशिप में यह बढ़ा हुआ व्यय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा अप्रेंटिसशिप को दिए गए महत्व के अनुरूप है। इस योजना का उद्देश्य कौशल इको-सिस्टम को मजबूत करते हुए कौशल स्तर के मानकों में बढ़ोतरी करना है, जिसके परिणामस्वरूप यह योजना अगले पांच वर्षों में लगभग 7 लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराएगी।

देश में 80 प्रतिशत महिलाओं के पास बैंक एकाउंट

पिछले सर्वे के आंकड़ों से तुलना करें तो इस संख्या में 50 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में शहरी क्षेत्र की 81 फीसदी महिलाओं के पास अपना बैंक अकाउंट है जिसे वे खुद चलाती हैं। इसी तरह ग्रामीण इलाके में 77.4 फ़ीसदी महिलाओं के पास बैंक अकाउंट है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (2019-21) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। अगर नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 के आंकड़ों से तुलना करें तो इस संख्या में 50 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। एनएफएचएस-4 साल 2015-16 में किया गया था। उस समय देश में 53 फ़ीसदी महिलाओं के पास अपने बैंक अकाउंट थे, अब यह संख्या 78.6 फीसदी पर पहुंच गई है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-5) से यह भी जानकारी मिली है कि अब महिलाएं घर के फैसलों में कितनी हिस्सेदारी करने लगी हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे फाइव के आंकड़ों के मुताबिक यह भी पता चलता है कि शादीशुदा महिलाएं घर के तीन बड़े फैसलों में अब सक्रिय भागीदारी कर रही हैं। इनमें अपने लिए स्वास्थ्य सुविधाएं, घर की बड़ी खरीदारी के फैसले करना और अपने परिवार या रिश्तेदारों के यहां जाने से संबंधित फैसला शामिल है। एनएफएचएस-5 के आंकड़ों के मुताबिक शहरी इलाके की 91 फीसदी महिलाएं इस तरह के फैसलों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं, जबकि ग्रामीण इलाके में इन तीनों फैसले में महिलाओं की हिस्सेदारी 87.7 फीसदी है। साल 2015-16 में घर के बड़े फैसले करने में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 84 फीसदी थी। देश भर में इन तीन बड़े मामले में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अब बढ़कर 88.7 फीसदी पर पहुंच गई है। अगर संपत्ति की बात करें तो इसमें महिलाओं की हिस्सेदारी बहुत कम है। साल 2015-16 में महिलाओं के नाम पर प्रॉपर्टी की संख्या 38.4 फीसदी थी जो अब बढ़कर 43.3 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे साफ है कि भारत में महिलाओं के पास संपत्ति या जमीन का मालिकाना हक अभी भी निचले स्तर पर है। गौरतलब है कि ग्रामीण इलाके की 45.7 फ़ीसदी महिलाओं के पास अपने नाम पर संपत्ति है जबकि शहरी इलाकों में यह संख्या 38.3 फीसदी है। अगर बात महिलाओं के पास मौजूद मोबाइल फोन की करें तो शहरी इलाके में करीब 70 फ़ीसदी महिलाओं के पास अपना मोबाइल फोन है। ग्रामीण इलाके में यह संख्या 46.6 फीसदी है। पिछले सर्वे की तुलना में महिलाओं के पास मोबाइल फोन होने के मामले में 8 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है।

एक दिसंबर को खुलेगा टेगा इंडस्ट्रीज का आईपीओ

(एजेंसी)।

खनन उद्योग के लिए सामान बनाने वाली कंपनी टेगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) एक दिसंबर को आएगा। कंपनी की विवरण पुस्तिका (आरएचपी) के अनुसार कंपनी का आईपीओ तीन दिसंबर को बंद होगा। इस आईपीओ के तहत प्रवर्तकों और एक मौजूदा शेयरधारक द्वारा 1,36,69,478 इक्विटी शेयर की बिक्री पेशकश की जायेगी। प्रवर्तक मदन मोहन मोहनका 33.14 लाख इक्विटी शेयर तथा मनीष मोहनका 6.63 लाख इक्विटी शेयर बेचेंगे। इसके अलावा अमेरिका स्थित निजी इक्विटी फर्म टीए एसोसिएट्स से जुड़ी वैगनर बिक्री पेशकश के माध्यम से 96.92 लाख शेयर की बिक्री करेगी। वर्तमान में प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह की टेगा इंडस्ट्रीज में 85.17 फीसदी हिस्सेदारी है। वही वैगनर की 14.54 फीसदी हिस्सेदारी है।

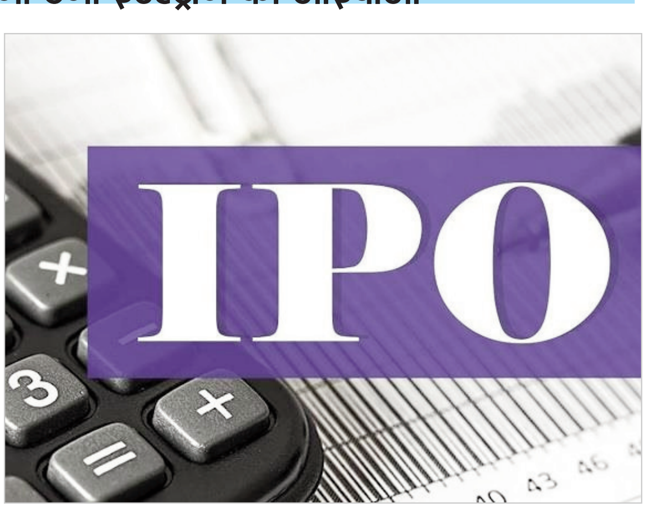

100 रुपए के पार हुए टमाटर के भाव लेकिन इन राज्यों में केवल 23 रुपए किलो

(एजेंसी)।

देश में बढ़ती महंगाई के बीच जहां पेट्रोल और डीजल के दाम 100 के पार हो गए वहीं अब टमाटर के दाम भी आसमान छू रहे हैं। बता दें देश के कई राज्यों में टमाटर 120 रुपए के भाव में बिक रहे हैं। लेकिन देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल और टमाटर के भाव बेहद सस्ते दाम पर हैं। बता दें कि टमाटर की कीमतें 135 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई हैं, लेकिन जोधपुर और बोडेली में टमाटर 23 रुपए किलो बिक रहा था। वहीं पोर्ट ब्लेयर में पेट्रोल 82.96 रुपए और डीजल 77.13 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है तो यहां टमाटर की कीमत सबसे ज्यादा है। बता दें कि पोर्ट ब्लेयर में सबसे महंगा 135 रुपए किलो टमाटर बिक रहा है। उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक 24 नवंबर 2021 को सबसे सस्ता टमाटर जोधपुर और बोडेली में 23 रुपए किलो बिक रहा था। वहीं आलू की बात करें तो सबसे महंगा टीपुरम में 51 रुपए, तो सबसे सस्ता हमीरपुर में 11 रुपये किलो था। वहीं, एक किलो प्याज की कीमत सोहरा और सिलीगुड़ी में 60 रुपए तो भोपाल में 20 रुपए थी। इनके अलावा खाद्य तेलों में भी जमीन आसमान का अंतर है। एक किलो वनस्पति जहां मैसूर में 317 रुपए बिक रही थी तो जादरचेला में 88 रुपए। सरसों तेल पैक पोर्ट ब्लेयर में 234 रुपए तो शिवमोगा में केवल 110 रुपए। लखनऊ में मुंगफली तेल का दाम 265 रुपए प्रति किलो था तो वहीं, जोवाई में 140 रुपए।

भारत के बाद, अमेरिकी नियामक 2022 में क्रिप्टो जोखिमों पर करेंगे विचार

सैन फ्रांसिस्को/नई दिल्ली।

अमेरिका में बैंकिंग नियामकों ने नियमों और विनियमों को स्पष्ट करने के लिए एक योजना की घोषणा की है कि उसके बैंक अगले वर्ष क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग कैसे कर सकते हैं। मौजूदा वक्त में भारत सहित दुनिया भर की सरकारें क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े जोखिमों का वजन कर रही हैं और निवेशकों की सुरक्षा कर रही हैं। फेडरल रिजर्व सिस्टम, फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन और मुद्रा नियंत्रक के कार्यालय के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने एक बयान में कहा कि वे मानते हैं कि उभरते क्रिप्टो-एसेट सेक्टर बैंकिंग संगठनों, उनके ग्राहकों और समग्र के लिए संभावित अवसर और जोखिम प्रस्तुत करता है। नियामकों ने बुधवार को एक संयुक्त बयान में कहा, चूंकि पर्यवेक्षित संस्थान क्रिप्टो-एसेट-संबंधित गतिविधियों में संलग्न होना चाहते हैं, यह महत्वपूर्ण है कि एजेंसियां समन्वित और समय पर स्पष्टता प्रदान करें जहां सुरक्षा और सुदृढ़ता, उपभोक्ता संरक्षण और लागू कानूनों और विनियमों के अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त हो, जिसमें एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग भी शामिल है।2022 के दौरान, अमेरिकी एजेंसियां इस बात पर अधिक स्पष्टता प्रदान करने की योजना बना रही हैं कि क्या बैंकिंग संगठनों द्वारा संचालित क्रिप्टो-परिसंपत्तियोंसे संबंधित कुछ गतिविधियां कानूनी रूप से अनुमत हैं और सुरक्षा और सुदृढ़ता, उपभोक्ता संरक्षण और मौजूदा कानूनों और विनियमों के अनुपालन की अपेक्षाएं हैं। एजेंसियों ने कहा कि वे क्रिप्टो-परिसंपत्तियों में विकास की निगरानी करना जारी रखते हैं और बाजार के विकसित होने पर अन्य मुद्दों को संबोधित कर सकते हैं। इसके अलावा, एजेंसियां क्रिप्टो-परिसंपत्तियों से संबंधित गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले मुद्दों पर, अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ जुड़ना और सहयोग करना जारी रखेंगी।भारत में, आगामी क्रिप्टोकरेंसी और आधिकारिक डिजिटल मुद्रा का विनियमन विधेयक, 2021 भारत में सभी निजी क्रिप्टोकरेंसी को प्रतिबंधित करने का प्रयास करता है। हालांकि, यह कुछ अपवादों को क्रिप्टोकरेंसी की अंतर्निहित तकनीक और इसके उपयोग को बढ़ावा देने की अनुमति देता है। भारत सरकार द्वारा क्रिप्टो बिल 2021 में सभी निजी क्रिप्टोकरेंसी पर प्रतिबंध लगाने की मांग के साथ, विशेषज्ञों और प्रमुख उद्योग के खिलाड़ियों ने कहा है कि निजी क्रिप्टोकरेंसी को प्रतिबंध करने से बहुत संबंधित प्रावधानों को बहुत सावधानी से देखना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विजय हजारे ट्रॉफी से होगी कार्तिक और सुंदर की वापसी

चेन्नई (एजेंसी)।

तमिलनाडु ने अनुभवी बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी 20 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। कार्तिक की इसी के साथ ही मैदान पर वापसी होगी। वह चोटिल होने के कारण सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट से बाहर थे। वहीं वाशिंगटन सुंदर इस साल इंग्लैंड दौरे में ही चोट लगने के बाद से ही खेल से दूर थे। वह बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे। विजय हजारे ट्रॉफी के लिए तमिलनाडु को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है और टीम शुरुआती चरण के अपने मुकाबले तिरुवनंतपुरम में खेलेगी। टीम अपना पहला मैच आठ दिसंबर को मुंबई से खेलेगी। तमिलनाडु क्रिकेट संघ के अनुसार टीम की कप्तानी आलराउंडर विजय शंकर करेंगे जबकि सलामी बल्लेबाज एन जगदीशन को उप कप्तान नियुक्त किया गया है। तेज गेंदबाज टी नटराजन को टीम में जगह नहीं दी गई हैविजय शंकर की कप्तानी में ही टीम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी।

बंगलादेश के स्टार आलराउंडर महमूदुल्लाह ने टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास

ढाका (एजेंसी)।

बंगलादेश के स्टार आलराउंडर महमूदुल्लाह ने टेस्ट क्रिकेट से आधिकारिक रूप से संन्यास ले लिया है। महमूदुल्लाह ने बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की ओर से जारी एक बयान में कहा, 'जिस प्रारूप का मैं इतने लंबे समय से हिस्सा रहा हूं, उसे छोड़ना आसान नहीं है।' अपने साथियों को यह सूचित करने के चार महीने बाद कि वह अब टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलेंगे, बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पुष्टि की है कि महमूदुल्लाह ने इस प्रारूप से संन्यास ले लिया है। महमूदुल्लाह ने हरारे में जिम्मबाब्वे के खिलाफ बंगलादेश के एकमात्र टेस्ट के तीसरे दिन टीम के साथ इस बारे में बातचीत की थी और मैच की अंतिम सुबह उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर मिला था। हालांकि खेल से संन्यास लेना सही अर्थों में आधिकारिक क्षमता में नहीं आता है, लेकिन चलते टेस्ट मैच के बीच महमूदुल्लाह का संन्यास लेना बोर्ड के अध्यक्ष नजमुल हसन को रास नहीं आया था। यहां तक कि जब जुलाई में उस टेस्ट मैच के अंतिम दिन सभी खिलाड़ियों द्वारा अपने वरिष्ठ खिलाड़ी को विदाई देने के बावजूद अब तक बीसीबी की ओर से उनके फैसले की कोई मान्यता नहीं थी। एक प्रेस रिलीज में बोर्ड ने टेस्ट क्रिकेट में उनकी सेवाओं के लिए महमूदुल्लाह को धन्यवाद दिया, लेकिन यह उल्लेख नहीं किया कि उन्होंने जुलाई में ही संन्यास लेने की घोषणा की थी। महमूदुल्लाह का बयान भी उस रिलीज़ में संलग्न था, जहां उन्होंने जिम्मबाब्वे के खिलाफ टेस्ट टीम में अपनी वापसी करवाने के लिए बीसीबी अध्यक्ष हसन का आभार व्यक्त किया। महमूदुल्लाह ने कहा, 'जिस प्रारूप का मैं इतने लंबे समय से हिस्सा रहा हूं, उसे छोड़ना आसान नहीं है। मैंने हमेशा अच्छे मौके पर यह निर्णय लेने के बारे में सोचा था और मेरा मानना है कि यह मेरे टेस्ट करियर को ख़त्म करने का सही समय है। जब मैं टेस्ट टीम में लौटा तब मैं अपना समर्थन करने के लिए मैं बीसीबी अध्यक्ष का आभार व्यक्त करना चाहता था। उन्होंने आगे कहा, 'मैं हमेशा मुझे प्रोत्साहित करने और मेरी क्षमता पर विश्वास करने के लिए अपने साथियों और सहयोगी स्टाफ़ का धन्यवाद करता हूं। बंगलादेश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना एक परम सम्मान और सौभाग्य की बात है और मैं इन यादों को संजो कर रखूंगा। मैं टेस्ट से संन्यास ले रहा हूं, लेकिन

मैं वनडे और टी20 अंतररष्ट्रीय खेलता रहूंगा। मैं सफेद गेंद की क्रिकेट में अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना जारी रखूंगा।' बोर्ड और महमूदुल्लाह दोनों के बयान ने जुलाई से उनके फ़ैसले को लेकर दोनों पक्षों के बीच चल रहे एक असहज अध्याय को समाप्त कर दिया। उन्हें जिम्मबाब्वे के खिलाफ मैच के लिए अंतिम समय पर टीम में शामिल किया गया था।

ओमान में लीजैंड क्रिकेटर लगाते दिखेंगे चौके-छक्के, इस महीने होगी क्रिकेट लीग

(एजेंसी)।

ओमान में जनवरी 2022 में लीजेंड्स क्रिकेट लीग होगी जिसमें दुनिया भर के लीजैंड क्रिकेटर हिस्सा लेंगे। ओमान ने टी-20 विश्व कप की भी मेजबानी की थी। लीग में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और अन्य क्रिकेट देशों के पूर्व क्रिकेटर शामिल होंगे। खिलाडियों को 3 टीमों - भारत, एशिया और रैस्ट ऑफ वर्ल्ड में विभाजित किया जाएगा। ओमान क्रिकेट के अध्यक्ष पंकज खिमजी ने कहा कि खेल के दिग्गजों की मेजबानी करना देश के लिए सम्मान की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि ओमान का लक्ष्य खिलाडियों को सर्वोत्तम आतिथ्य प्रदान करना होगा। खिमजी ने कहा कि खेल के महापुरूषों की मेजबानी करना ओमान क्रिकेट के लिए सम्मान की बात है। ओमान में स्टार क्रिकेटरों का ऐसा जमावड़ा अभूतपूर्व है और मुझे यकीन है कि यह सिर्फ शुरुआत होगी। इससे ओमान क्रिकेट के लिए नए अवसर खुलेंगे। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री इस लीग के कमिश्नर होंगे। उन्होंने कहा कि ओमान में क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह टूर्नामेंट बड़ा आयोजन होगा। हम अपने लीग को नए गंतव्यों में क्रिकेट को बढ़ावा देने के अवसर के रूप में देखते हैं। सभी विकल्पों में ओमान सबसे अच्छा पैकेज है। यह पहली बार होगा जब इतने बड़े नाम ओमान में खेलेंगे।

स्पेन की डेविस कप टीम में नडाल नहीं, अल्कारेज पर होंगी निगाहें

मैड्रिड (एजेंसी)।

स्पेन डेविस कप फाइनल्स में अपने खिताब के बचाव के लिए दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल के बिना उतरेगा और ऐसे में सभी की निगाहें 18 वर्षीय कार्लोस अल्कारेज पर टिकी रहेंगी। स्पेन शुक्रवार को इक्वाडोर के खिलाफ जब कोर्ट पर उतरेगा तो अल्कारेज आकर्षण का केंद्र होंगे। स्पेन दो साल में फिर से खिताब हासिल करने की कोशिश करेगा। कोरोना वायरस महामारी के कारण 2020 में इस टूर्नामेंट का आयोजन नहीं किया गया था। अल्कारेज डेविस कप में पहली बार खेलेंगे। उनके साथ पाब्लो कारेनो बस्टा और अल्बर्ट रामोस को टीम में लिया गया है। ये दोनों अल्कारेज से 10 साल बड़े हैं। टीम के चौथे सदस्य 40 वर्षीय फेलिसियानो लोपेज ने जब एटीपी टूर में खेलना शुरू किया था तब अल्कारेज का जन्म भी नहीं हुआ था। नडाल बाएं पांव में चोट के कारण इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं।

श्रीलंका ने जीता पहला टेस्ट, वेस्टइंडीज को 187 रन से हराया

गॉल (एजेंसी)।

लेफ्ट आर्म स्पिनर लसिथ एम्बुलदेनिया (46 रन पर पांच विकेट) और ऑफ स्पिनर रमेश मेंडिस (64 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी से श्रीलंका ने वेस्ट इंडीज को दूसरी पारी में पांचवें और अंतिम दिन गुरूवार को 160 रन पर ढेर कर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। श्रीलंका ने विंडीज के सामने 348 रन का लक्ष्य रखा था। विंडीज की हार कल चौथे दिन उसी समय सुनिश्चित हो गई थी जब उसने अपने छह विकेट मात्र 18 रन पर गंवा दिए थे। विंडीज ने कल के अपने छह विकेट पर 52 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। एन्क्रुमाह बॉनर ने 18 और जॉशुआ डासिल्वा ने 15 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। डासिल्वा 129 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 54 रन बनाकर सातवें बल्लेबाज के रूप में 118 के स्कोर पर आउट हुए। बैनर ने 273 गेंदों में 7 चौकों की मदद से नाबाद 68 रन बनाए लेकिन दूसरे छोर से बल्लेबाजों के विकेट गिरते रहे और श्रीलंका की पारी 160 रन पर सिमट गई। श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणारत्ने को उनकी 147 और 83 रन की पारियों के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। संक्षिप्त स्कोरः श्रीलंका : 386 और 4 विकेट पर 191 रन पारी घोषित, वेस्टइंडीज : 230 और 160.

संक्षिप्त समाचार

श्रेयस अय्यर को मिली डेब्यू कैप, पोंटिंग ने कहा- मुझे तुम पर गर्व है

स्पोर्ट्स डेस्क । भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय टेस्ट टीम की कमान संभाल रहे अजिंक्य रहाणे ने श्रेयस अय्यर को टीम में मौका दिया। श्रेयस अय्यर को पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने डेब्यू कैप दी। श्रेयस अय्यर के टेस्ट डेब्यू को लेकर सिर्फ भारतीय खिलाड़ी ही नहीं बल्कि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग भी काफी खुश हैं। रिकी पोंटिंग ने अय्यर को डेब्यू कैप मिलने पर खुशी जताई है और उनके लिए खास संदेश दिया है। रिकी पोंटिंग ने ट्विटर पर अय्यर के डेब्यू कैप मिलने पर कहा कि पिछले कुछ सालों में तुम्हारे किए गए सभी कामों को देखने के बाद तुम इसके योग्य हो और यह तुम्हारी शुरूआत है। श्रेयस अय्यर तुम पर गर्व है। न्यूजीलैंड के खिलाफ अय्यर पहली बार भारतीय टीम की टेस्ट जर्सी में दिखाई दे रहे हैं। श्रेयस अय्यर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने साल 2017 में भारत के लिए डेब्यू किया था। तब से अय्यर ने भारत के लिए 32 टी20 और 22 वनडे मैच खेलें हैं जिसमें उन्होंने क्रमश ‍ 27.61 की औसत से 589 रन और 42.78 की औसत से 813 रन बनाए हैं। वहीं फर्स्ट क्लास मैचों की बात करें तो उन्होंने इसमें 4592 रन बनाए हैं। जिसमें उन्होंने 12 शतक और 23 अर्धशतक लगाए हैं।

युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला : अय्यर

कानपुर। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में टीम इंडिया की उपकप्तानी संभाल रहे बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि इस सीरीज में अनुभवी खिलाड़ियों के नहीं होने से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने अपना टेस्ट डेब्यू किया है। पुजारा ने टॉस के बाद कहा कि भले ही कई सीनियर खिलाड़ी सीरीज से बाहर हैं, लेकिन युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'यह युवा खिलाड़ियों के लिए अच्छा मौका है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में कई सीनियर चोट के कारण नहीं खेल सके थे। ऐसे में युवाओं ने हमें सीरीज में यागदार जीत दिलाई थी। इस बार भी वे कुछ ऐसा ही प्रदर्शन कर सकते हैं।' हमने युवाओं से कहा है कि वे निडर होकर अपना स्वाभाविक खेल दिखायें। पुजारा ने अपनी तैयारी को लेकर कहा कि कानपुर आने से पहले मुंबई में हमारा कैंप था। दो दिन यहां भी अभ्यास किया था। इसलिए मैच के लिए हमारी तैयारी अच्छी है। उन्होंने कहा कि मैंने घर पर काफी क्रिकेट खेली है। इस कारण मैं मानसिक तौर पर सीरीज के लिए तैयार हूं हालांकि खिलाड़ी का लय में होना जरूरी है। आईपीएल के माध्यम से मैंने फिटनेस पर ध्यान दिया पर बायो बबल के बीच हर खिलाड़ी के लिए ब्रेक भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आईपीएल के बाद मुझे 15 से 20 दिन का ब्रेक मिला. मानसिक तौर पर फिट रहने के लिए ब्रेक जरूरी है।

टिम पेन दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर, उन्हें ऑस्ट्रेलियाई टीम में होना चाहिए- लियोन

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी) ।

आस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लियोन ने गुरुवार को कहा कि महिला सहकर्मी को आपत्तिजनक संदेश भेजने के कारण कप्तानी छोड़ने वाले टिम पेन को इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला के लिए अंतिम एकादश में शामिल करने से मेजबान टीम का ध्यान नहीं भटकेगा। लियोन की प्रतिक्रिया पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की इस टिप्पणी के बाद आई है कि पेन को टीम में शामिल करने से खिलाड़ियों का ध्यान भटक सकता है क्योंकि उनको लेकर चल रही चर्चा अभी खत्म नहीं होने वाली है। पेन ने 2017 में भेजे गए इन संदेशों के सार्वजनिक होने के बाद पिछले सप्ताह आस्ट्रेलिया की टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी। लियोन ने पत्रकारों से कहा कि मुझे नहीं लगता कि इससे किसी का ध्यान भटकेगा। आखिर में हम सभी पेशेवर खिलाड़ी हैं और जानते हैं कि हमें क्या करना है और इससे आगे कैसे बढ़ना है। चयनकर्ता कहते रहे हैं कि वे सर्वश्रेष्ठ एकादश का चयन करेंगे और मेरी निगाह में टिम पेन दुनिया का सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर है। लियोन ने कहा मैं टिम पेन को टीम में चाहता हूं।

यह एक गेंदबाज के रूप में स्वार्थ हो सकता लेकिन मैं चाहता हूं कि विकेट के पीछे सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर रहे और मेरी नजर में वह टिम पेन है। प्रत्येक (टेस्ट) गेंदबाज के पेन के साथ बहुत अच्छे रिश्ते हैं और टिम पेन बहुत अच्छा इंसान है और आस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम में वह सम्मानित व्यक्ति है।

वर्ल्ड टीटी चैंपियनशिप : जी साथियान ने भारत की एकल उम्मीदों को रखा जिंदा

ह्यूस्टन (यूएसए) (एजेंसी)।

भारतीय पैडलर साथियान ज्ञानशेखरन ने यहां रूस के व्लादिमीर सिदोरेंको से 4-0 से जीतकर विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2021 के फाइनल में 32वें पुरुष एकल दौर में जगह बना ली। भारत के खिलाड़ी ने बुधवार को 64वें दौर में सिदोरेंको को 11-9, 11-9, 11-8, 11-6 से हरा दिया। जीत के साथ, साथियान ने टूर्नामेंट में भारत की एकल उम्मीदों को जींदा रखा क्योंकि अहिका मुखर्जी महिला एकल में हार गईं थी। जापान की हिना हयाता से अहिका को 0-4 (5-11, 4-11, 3-11, 4-11) से हार का सामना करना पड़ा था। विशेष रूप से, साथियान और अहिका एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी थे जो मंगलवार को पहले दौर के मैचों में जीतकर आगे के दौर में जगह बनाई थी। पुरुष डबल में, भारत के एंथोनी अमलराज और हरमीत देसाई को 64वें दौर में नाइजीरियाई जोड़ी ओलाजाइड ओमोटायो और बोडे अबियोदुन से 2-3 (11-8, 9-11, 9-11, 11-5, 8-11) से हार का सामना करना पड़ा।

हरभजन ने करोड़ों में बेचा अपना अपार्टमेंट

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह ने मुंबई में यहां स्थित अपना एक अपार्टमेंट मोटी रकम लेकर बेचा है। एक रिपोर्ट के अनुसार 17.58 करोड़ रुपए में भज्जी ने इसे बेचा गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार इस अपार्टमेंट के लिए खरीदार ने तकरीबन 88 लाख रुपए स्टाम्प ड्यूटी के तौर पर ही अदा किये । इस रिपोर्ट के मुताबिक, हरभजन का यह अपार्टमेंट अंधेरी वेस्ट के रुस्तमजी एलिमेंट्स में 9 वें माले पर है और अपार्टमेंट का क्षेत्रफल करीब 2900 स्कवेयर फीट है। हरभजन ने यह अपार्टमेंट साल 2017 में खरीदा था और मार्च 2018 में इसकी रजिस्ट्री कराई थी. तब इसकी कीमत 14.5 करोड़ रुपए थी। इससे पहले, श्रेयस अय्यर ने भी पिछले साल सितंबर में लोअर परेल के वर्ल्ड टॉवर्स में 2618 स्क्वेयर फीट में फैला अपार्टमेंट खरीदा था। इसकी कीमत करीब 12 करोड़ रुपए थी। इसके लिए उन्होंने 24 लाख रुपए से ज्यादा स्टाम्प ड्यूटी के तौर पर चुकाए थे।

जूनियर विश्व कप : हॉलैंड ने कोरिया को 12-5 से पीटा

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

दोपहर में खेले गए जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे मुकाबले को एकतरफा बनाते हुए हॉलैंड ने कोरिया को गुरूवार को 12-5 से आसानी से हरा दिया। मैच में हालांकि कोरिया की शुरुआत रही, लेकिन अंत बेहद निराशाजनक रहा। जून सेओंग जेओंग ने सातवें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए कोरिया को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन इसके तुरंत बाद 10वें मिनट में गोल दाग कर नीदरलैंड ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। यह गोल शेल्डन स्काउटन के नाम रहा। माइल्स बुकेन्स ने 13वें मिनट में गोल दाग कर नीदरलैंड की बढ़त को 2-1 कर दिया, हालांकि पहला क्वार्टर खत्म होने से ठीक पहले जून सेओंग जेओंग ने एक और गोल करके स्कोर को 2-2 से बराबर कर दिया। यह गोल 14वें मिनट में आया। दूसरे क्वार्टर में फिर नीदरलैंड ने आक्रामक रुख अपनाया और लगातार दो गोल दाग कर 4-2 की बढ़त ले ली। 16वें और 18वें मिनट में आए ये गोल क्रमशः माइल्स बुकेन्स और चौथा कैस्पर वैन डेर वीन के नाम रहे। दूसरा क्वार्टर खत्म होने तक नीदरलैंड ने दो और गोल कर दिए और 6-2 से बड़ी बढ़त ले ली। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भी नीदरलैंड का पलड़ा भारी। उसने 35वें और 36वें मिनट में दो गोल दाग कर अपनी जीत लगभग सुनिश्चित कर ली। खुद को 8-2 से पिछड़ता हुए देख कोरिया ने वापसी की कोशिश की और 41वें, 48वें और 54वें मिनट में गोल किए, लेकिन फिर नीदरलैंड की ओर से भी गोल की बौछार

बढ़ गई। नीदरलैंड ने चौथे और आखिरी क्वार्टर में चार गोल दाग कर मुकाबले में एकतरफा अंदाज से 12-5 से जीत हासिल की। पूल सी के पहले मुकाबले में जीत के साथ नीदरलैंड अंक तालिका में तीन अंकों के साथ पहले स्थान पर है।

पैन के समर्थन में हैं सभी खिलाड़ी : मार्कस

ब्रिसबेन । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के बल्लेबाज मार्कस हैरिस ने कहा है कि टीम के सभी टिम पैन के पक्ष में बने हुए हैं। पैन ने एक महिला कर्मचारी के लिए आपत्तिजनक संदेश के मामले में हुई जांच के बाद कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। उसके बाद कई खिलाड़ियों ने उनका बचाव किया है। हैरिस के अनुसार अभी पैन को लेकर कोच जस्टिन लैंगर ने खिलाड़ियों से कोई बात नहीं की है। साथ ही कहा कि खिलाड़ियों को पैन के कप्तानी छोड़ने के फैसले की जानकारी अंतिम समय में मिली थी। हैरिस ने कहा, ' उनके इस्तीफे की इस खबर को स्वीकार करना आसान नहीं था। यह हैरान करने वाला फैसला था।' उन्होंने कहा, 'वह एक बेहतरीन कप्तान रहे हैं। मेरे और मेरे परिवार के प्रति उनका रवैया बहुत अच्छा रहा। टिम, उनकी पत्नी बोनी, बच्चों और परिवार के प्रति हमारी पूरी सहानुभूति है।' हैरिस ने कहा, 'अगर कोविड के कारण कोई बाधा नहीं आती है तो मैं उसे गले लगाऊंगा।' हैरिस ने कहा, 'उन्होंने पिछले कुछ साल में कठिन हालातों के बीच ही टीम को संभाला। वह अब भी देश के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक हैं और उन्होंने भारत के खिलाफ पिछली गर्मियों में कुछ अहम पारियां खेली थी।''

परफैक्ट फिगर के लिए आसन

आज महिलाएं अपने सौंदर्य के प्रति जागरूक हो गई हैं और खूबसूरती के लिए आकर्षक फिगर होनी जरूरी है अर्थात छरहरे दिखना और 36-24-36 का कर्वी फिगर पाना। पतला दिखने के चक्कर में वे डाइटिंग का सहारा लेती हैं जिससे आकर्षक दिखने की अपेक्षा बीमार नजर आने लगती हैं।

त्वचा आभाहीन हो जाती है और आंखों के नीचे काले घेरे नजर आने लगते हैं। आकर्षक फिगर का अर्थ है कि आपके शरीर पर अधिक चर्बी न हो। अधिक चर्बी न होने पर आप छरहरी नजर आती हैं और सब के आकर्षण का केन्द्र बन जाती हैं। इसलिए डाइटिंग के जरिए पतली कमर और कर्वी फिगर के सपने को पूरा करने की अपेक्षा योगासनों को अपनाएं, जिनकी मदद से न सिर्फ आप अपने शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम कर सकती हैं, बल्कि इससे आपका शरीर अधिक लचीला और मजबूत होगा। कर्वी फिगर बनाने के लिए शरीर के तीन हिस्सों की टोनिंग पर ध्यान दें-चौड़े कंधे, पतली कमर और कमर के सुडौल निचले हिस्से। इसके लिए आप ऐसे आसनों को रूटीन में करें जो आपके शरीर को परफैक्ट शेप देने में मददगार हो सकते हों।

भुजंगासन

इस आसन से पेट की चर्बी कम होती है, कमर पतली होती है और कंधे चौड़े व बाजू मजबूत होते हैं। शरीर को लचीला और सुडौल बनाने में इसका बहुत महत्व है।

- पहले पेट के बल सीधा लेट जाएं और दोनों हाथों को माथे के नीचे रखें।
- दोनों पैरों के पंजों को साथ रखें।
- अब माथे को सामने की ओर उठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समानांतर रखें जिससे शरीर का भार बाजुओं पर पड़े।
- अब शरीर के ऊपरी हिस्से को बाजुओं के सहारे उठाएं।
- शरीर को स्ट्रैच करें और लंबी सांस लें।
- कुछ पल इसी अवस्था में रहने के बाद वापस पेट के बल लेट जाएं।

सेहत के लिए अनमोल नुस्खे

- सोयाबीन के अधिक सेवन से स्तन कैंसर नहीं होता अत- अपने दैनिक आहार में सोयाबीन के बने पदार्थों का अधिक सेवन करना चाहिए।
- नियमित रूप से जुकाम की शिकायत रहने पर दूब की कोंपलों को तोड़कर उसे चटनी के समान पीस लीजिए और शहद के साथ प्रतिदिन रात्रि में लीजिए। जुकाम एकदम गायब हो जाएगा।
- पेट की किसी भी तरह की शिकायत होने पर गाढ़ा दूध का दलिया, कच्चा नारियल, पेठा व रसगुल्ला खाइए। पेट की बीमारी आपके कब्जे में होगी।
- स्तन पर अनचाहे बालों के होने को गंभीरता से लीजिए। उन्हें काटिए नहीं बल्कि मूंग दाल के उबटन से हल्का-हल्का मसाज करते हुए नियमित प्रयोग से हटा लें। यह ग्रंथि रोग के कारणों से होता है।
- बेर के पत्तों को पीसकर पानी में मथने से जो झाग उठता है, उस झाग को सिर में लगाने से बाल झड़ने बंद हो जाते हैं।
- अदरक के एक किलो रस में 500 ग्राम तिल का तेल मिलाकर गर्म करिए और जब केवल तेल बचा रहे, उतार कर छान कर बोतल में रखकर बंद कर रख दीजिए। इस तेल से उस अंग पर मालिश कीजिए जहां कहीं भी दर्द होता है।

रिंग फिंगर से करें वजन कम

सूर्य और यूरेनस ग्रह ऐसे हैं, जिनसे स्वास्थ्य प्रभावित होता है। यूरेनस अंतःज्ञान और बदलाव का प्रतीक है। ऐसे में सूर्य मुद्रा हमारे भीतर के अग्नि तत्व को संचालित करती है। अनामिका सूर्य की अंगुली है, जिसे हम रिंग फिंगर भी कहते हैं। इससे वजन कम होता है।

सूर्य मुद्रा की विधि

सूर्य की अंगुली को हथेली की ओर मोड़कर उसे अंगूठे से दबाएं। बाकी बची तीनों अंगुलियों को सीधा रखें। इसे सूर्य मुद्रा कहते हैं।

मुद्रा के लाभ

- इस मुद्रा का रोज दो बार 5 से 15 मिनट के लिए अभ्यास करने से शरीर का कोलेस्ट्रॉल घटता है।
- वजन कम करने के लिए यह आसान क्रिया चमत्कारी रूप से कारगर पाई गई है।
- पेट संबंधी रोगों में भी यह मुद्रा बहुत लाभदायक है।
- यह जठराग्नि को संतुलित करके पाचन संबंधी तमाम समस्याओं से छुटकारा दिलाती है।
- इसे नियमित करने से बेचैनी और चिंता कम होकर दिमाग शांत बना रहता है।
- यह मुद्रा शरीर की सूजन मिटाकर उसे हल्का और चुस्त-दुरुस्त बनाती है।

ओमेगा-थ्री से बच्चे रहेंगे स्वस्थ

क्या आप बच्चों को ओमेगा-थ्री देते हैं। अगर नहीं तो आज से ही देना प्रारंभ कर दें। इससे बच्चे न केवल हेल्दी होंगे वरन् उनका संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

हम जानते हैं कि हमारे शरीर की जरूरत है अच्छे विटामिन की। पर्याप्त ठोस आहार लेने से हमारे शरीर में आवश्यक पोषण पहुंचता है। बच्चों के अच्छे पोषण के लिए मछली के तेल ओमेगा का सेवन बहुत अच्छा रहता है। मछली के तेल की खुराक के लिए अक्सर उनके रक्त में ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने और अन्य स्वास्थ्य लाभ अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर में वृद्धि होती है।

बच्चों के लिए मछली तेल

बच्चों को माता-पिता मछली से उत्पादित कोई भी दवा या अन्य चीज नहीं देते, जिससे उनको संपूर्ण आहार मिल सके। मछली तेल ओमेगा-थ्री से बहुत सारे लाभ हैं।

एकाग्रता और याददाश्त में सुधार

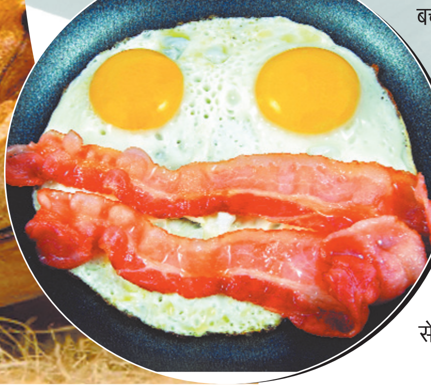

मछली तेल के उपयोग से बच्चों में एकाग्रता में सुधार होता है। यह तेल बच्चों की स्मृति समस्याओं को दूर हटाने में एक वरदान है। मछली के तेल में ओमेगा-3 एसिड अल्पकालिक स्मृति हानि के जोखिम को कम करता है।

सीखने की क्षमता बेहतर: मछली के तेल के सेवन से बच्चों की शिक्षा पर उच्च प्रभाव पड़ता है। उनकी याददाश्त क्षमता तेजी से बढ़ती है।

रहता है दिमाग स्वस्थ

देश में मछली का तेल बहुतायत मात्रा में आता है। कई नामी गिरामी कंपनियां यह प्रॉडक्ट बेचती हैं। आप डॉक्टर से परामर्श लेकर बच्चों को रोजाना एक से दो चम्मच तेल नाश्ते या खाने में दे सकते हैं। जिससे बच्चे का दिमाग स्वस्थ रहेगा।

करता है आहार पूर्ति

मछली का तेल पूरे आहार की पूर्ति करता है। चिकित्सकों के अनुसार एडीएचडी-ओमेगा-थ्री स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर है।

कोकीन को दूर हटाता है प्रोप्रानोलॉल

जानवरों पर किए गए प्रयोग से यह साबित होता दिख रहा है कि उच्च रक्तचाप और अवसाद के मरीजों को दी जाने वाली प्रचलित दवा प्रोप्रानोलॉल कोकीन की लत छुड़ाने में मददगार हो सकती है।

मालूम हो कि कोकीन दुनिया के सबसे खराब नशीले पदार्थों में एक है। इसकी गिरफ्त में आए व्यक्ति को इससे निजात पाने में सालों लग जाते हैं और 80 फीसदी लोग ऐसे होते हैं, जो इसे छोड़ने का प्रयास करने के दौरान छह महीने के भीतर बहुत बुरी स्थिति में पहुंच जाते हैं।

चिकित्सा विज्ञान के मशहूर जर्नल न्यूरोसाइकोफार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा पहली बार साबित हुआ है

कि कोकीन के सेवन की आदत से जुड़ी याददाश्तों को चिकित्सकीय उपचार के माध्यम से खत्म किया जा सकता है। इस आदत की याददाश्तों के जेहन में लौटने के कारण ही इसके आदी हो चुके व्यक्ति को इसकी लत की याद आती है और ऐसे वक्त कोकीन नहीं मिलने से उसकी दशा बेहद खराब हो जाती है। इस सम्बंध में जारी शोध में शामिल डेविन म्युलर ने कहा, एफडीए द्वारा मंजूरी प्राप्त दवा कोकीन की लत छुड़ाने के लिए लोगों को दी जाती रही है। यह दवा इस लत को छुड़ाने के लिए तो प्रभावी रही है, लेकिन इससे इस लत को छोड़ने के प्रयास के दौरान जब इसके आदी व्यक्ति की हालत खराब होती है, तब यह दवा बेअसर साबित होती है। दूसरी ओर म्युलर बताते हैं कि प्रोप्रानोलॉल का सकारात्मक प्रभाव कोकीन छोड़ने का प्रयास कर रहे व्यक्ति के शरीर पर दीर्घकाल तक दिखता है। कई मामलों में यह स्थायी भी हो सकता है, क्योंकि इस दवा के नियमित सेवन के बगैर भी मरीज कोकीन के दुष्प्रभावों से निजात पा सकता है।

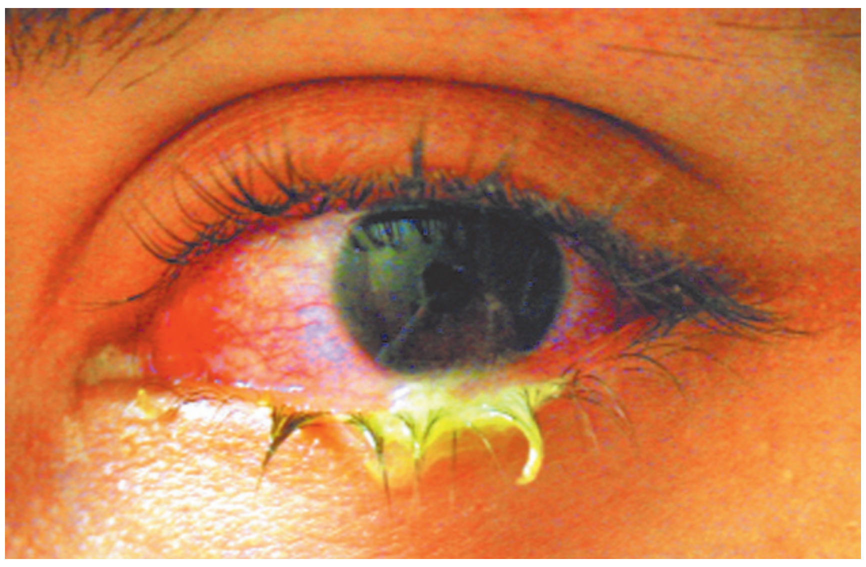

पलकों को प्रभावित करता है ब्लेफेरायटिस

ब्लेफेरायटिस पलकों के किनारे और बरोनियों की केश पुटिका को प्रभावित करता है। ब्लेफेरायटिस एक आम और कभी-कभी लंबा चलने वाला विकार है, जो प्रायः वयस्क व बच्चों को भी प्रभावित कर सकता है। शिकायत होने पर आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

आपकी त्वचा पर रोससेया या तेल वाली त्वचा पर डेंड्रफ और सूखी आंख से ग्रस्त होते हैं उन्हें इस समस्या होने की ज्यादा संभावना रहती है। पलकों की ग्रंथि जो की बहुत सारा तेल नहीं बना रही हो उनमें ब्लेफेरायटिस जीवाणु का संक्रमण शुरू हो सकता है। यह दशा अत्यधिक संक्रामक नहीं होती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

ब्लेफेरायटिस की ज्यादातर दशा में सुधार तुरंत चालू हो जाता है, अगर एक बार उपचार चालू हो जाए। प्राय: उपचार लंबे समय के लिए चलना चाहिए या समय-समय पर दोहराते रहना चाहिए। ब्लेफेरायटिस दृष्टि में स्थाई नुकसान नहीं करता है।

सम्भावित अवधि

ब्लेफेरायटिस एक चिरकालिक दशा है, जो स्थाई रूप से इलाज करना मुश्किल है, लेकिन ज्यादतर दशा में सही उपचार लक्षण को नियंत्रित कर देता है और दशा को नियंत्रण में रखता है। साथ ही लक्षण समय के साथ बदलते रहते हैं। लंबे समय के लिए गायब हो सकते हैं, वह भी लौटने से पहले महीनों या सालों लग सकते हैं।

ऐसे करें बीमारी से बचाव

पलकों की साफ-सफाई ब्लेफेरायटिस के निर्माण में मदद कर सकता है और प्राय: दशा को नियंत्रित कर सकता है। अगर आपको यह शिकायत है तो आप डॉक्टर के परामर्श पर इलाज शुरू कर सकते हैं।

डॉक्टर से कब सम्पर्क करें

- पलकों या आंख के आसपास की त्वचा में उत्तेजना होने लगे।
- लाल खुजली वाली आंख।
- पलकों के आस पास पपड़ी बन जाए।
- आंखें खुजली करती रहने पर।
- आंखों में लगातार जलन होने पर।
- ऐसा मेहसूस करना कि आपकी आंख में कुछ है, जब आप पलक झपकते हों।
- लाल सूजी सी आंखें होने पर।
- बरोनिया का न होना या बरोनिया का अंदर की तरफ मुड़ना।
- पलकों के किनारे में खुजली होना या किनारे की त्वचा का टूटना।
- अत्यधिक आंसू निकलना।

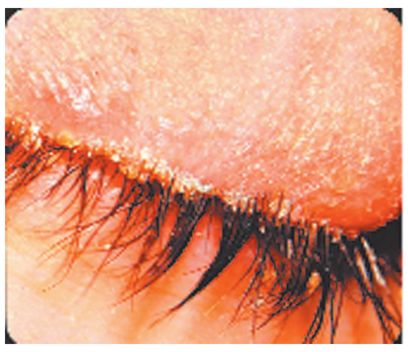

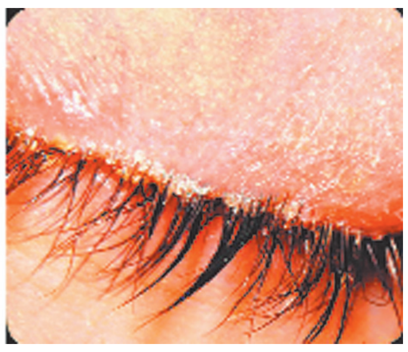

सोलोमन द्वीप पर प्रदर्शनकारियों ने फूंक दी संसद, जमकर की हिंसा

(एजेंसी): प्रशांत महासागर में स्थित सोलोमन द्वीप पर बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन को फूंक दिय। यही नहीं प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस थाने में भी आग लगा दी । वे प्रधानमंत्री को हटाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान भारी हिंसा और लूटपाट भी की गई जिसको देखते हुए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े और रबर की गोलियों का इस्तेमाल करना पड़ा। हालात नियंत्रित करने के लिए राजधानी होनियारा में 36 घंटे के लिए लॉकडाउन कर दिया गया है। प्रदर्शनकारियों ने कई दुकानों में लूटपाट की जिस कारण देश में भारी तनाव है। प्रधानमंत्री मनश्शे सोगावारे ने बुधवार देर शाम राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में राजधानी में लॉकडाउन की घोषणा की। बताया जा रहा है कि इस द्वीपसमूह के सबसे अधिक आबादी वाले द्वीप मालाटा के लोगों ने राजधानी पहुंचकर कई घरेलू मुद्दों पर अपना गुस्सा जाहिर किया। इसमें बुनियादी ढांचे में सुधार के कई वादों को पूरा न करना भी शामिल है। मालाटा के लोगों ने विकास की दौड़ में पीछे रह जाने पर भी नाराजगी जताई। बता दें कि हाल के दिनों में ये देश चीन के करीब भी आया है। सोलोमन द्वीप समूह ने 2019 में ताइवान के साथ संबंध तोड़ दिए और चीन के साथ औपचारिक संबंध बनाए। इसके बाद से ही वह काफी दबाव का सामना कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह सोलोमन द्वीप के लिए सैनिकों, पुलिस और राजनयिकों को भेज रहा है। उसने यह कदम सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों द्वारा लॉकडाउन की अवज्ञा करने और लगातार दूसरे दिन सड़कों पर हिंसक प्रदर्शन करने के बाद उठाया है।

ऑस्ट्रेलिया ने भेजी फोर्स

प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया द्वारा द्विपीय देश में सुरक्षाके मद्देनजर फोर्स भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि तैनाती के तहत संघीय पुलिस के 23 अधिकारियों और करीब 50 अन्य सुरक्षा कर्मियों की तैनाती अहम अवसंरचना स्थलों की सुरक्षा के लिए की जाएगी। इनके साथ ही सशस्त्र बलों के 43 जवानों, गश्ती नौका और कम से कम पांच राजनयिकों को भेजा जाएगा। मॉरिसन ने बताया कि अधिकारियों की पहली तैनाती बृहस्पतिवार रात को हो जाएगी और शुक्रवार को और सुरक्षा कर्मी अपनी ड्यूटी संभाल लेंगे। इनकी तैनाती की उम्मीद पिछले कई हफ्तों से की जा रही थी। बताया गया है कि इस दौरान हिंसा करने वालों की तलाशी ली जाएगी और भविष्य में ऐसा न हो इसके लिए प्रयास किए जाएंगे। बताया जा रहा है कि एक चीनी व्यक्ति की दुकान को भी लूट लिया गया है। रॉयल सोलोमन आइलैंड्स पुलिस फोर्स **(RSIPF)** ने होनियारा के आसपास के स्कूलों और दुकानों को चलाने वाले लोगों से गुजारिश की है कि वे घरों में रहें, ताकि बाहर हो रही हिंसा से बच सकें। गौरतलब है कि सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्री मनीसेह सोगवरे ने बुधवार को लॉकडाउन की घोषणा कर दी थी। उन्होंने यह कदम राजधानी होनियारा में करीब एक हजार प्रदर्शनकारियों के जमा होने और घरेलू मुद्दों पर उनके इस्तीफे की मांग करने के बाद उठाया।

चीन के नापाक इरादे: अन्य देशों के सूचना संस्थान और मीडिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा ड्रैगन

बीजिंग (एजेंसी): चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने हमेशा अपने नापाक उद्देश्यों को हासिल करने के लिए तरह-तरह के औजारों का इस्तेमाल करते हुए दूसरे देशों के सूचना क्षेत्र और मीडिया को प्रभावित करने की कोशिश की है। दुर्भाग्य से लंबे समय तक कोई ठोस सबूत नहीं था जो यह साबित कर सके कि चीन आधारित ताकतें दुनिया भर में दुष्प्रचार अभियानों में शामिल थीं। चीन की ऐसी गतिविधयां 2016 के अमेरिकी चुनावों से पहले मास्को द्वारा अपनाए गए आक्रामक दुष्प्रचार अभियान की याद दिलाती है। पिछले कई वर्षों से चीन वही करता रहा है। शुक्र है कि 2019 के बाद चीजें थोड़ी बदली हैं। कई जांच और बड़े पैमाने पर अप्रामाणिक खातों को बाद इस बात के स्पष्ट प्रमाण हैं कि चीन समर्थक सेनाएं सक्रिय रूप से वैश्विक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से जोड़ तोड़ गतिविधियों को अंजाम दे रही हैं। पिछले छह महीनों के भीतर इस पर कई जांच प्रकाशित हुई हैं जो इशारा करती हैं कि चीन इस मामले में रूस से भी आगे है। इसके लिए चीन वैश्विक खोज परिणामों और दुनिया भर में मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं का इस्तेमाल कर रहा है। जिस पैमाने पर ये चीनी एजैंट काम कर रहे हैं वह अपने आप में उल्लेखनीय है। ऑक्सफोर्ड इंटरनेट इंस्टीट्यूट द्वारा मई में एक अध्ययन में कम से कम 26,000 ट्विटर खातों का दस्तावेजीकरण किया गया था, जो चीनी राजनयिकों या राज्य मीडिया द्वारा किए गए पोस्ट को बढ़ाते थे। सामग्री हेरफेर से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने के लिए मंच द्वारा निलंबित किए जाने से पहले उन्होंने कम से कम 2,00,000 बार ऐसा किया था। ये खाते कई भाषाओं में थे। यूके में तत्कालीन राजदूत लियू श्याओमिंग के ट्वीट के री-ट्वीट का एक बड़ा हिस्सा फर्जी खातों से आया था जिन्हें बाद में ट्विटर द्वारा निलंबित कर दिया गया था।

सिखों को बदनाम करने की साजिश का पर्दाफाश, खालिस्तानी एजेंडे को हवा देने 80 सोशल मीडिया खाते सस्पेंड

लंदन (एजेंसी): सोशल मीडिया पर सिखों व किसान आंदोलन को बदनाम करने की साजिश का पर्दाफाश हुआ है। खुद को सिख धर्म के समर्थक बता कर खालिस्तानी एजेंडे को हवा देने वाले लगभग 80 जाली सोशल मीडिया खातों का खुलासा हुआ है।

एक रिपोर्ट में इस नेटवर्क में शामिल 80 अकाउंट्स की जानकारी दी गई है, जिन्हें अब सस्पेंड कर दिया गया है । इस अभियान में 'हिंदू राष्ट्रवाद' और 'भारत सरकार समर्थित विचारधारा' को बढ़ावा देने के लिए ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम का इस्तेमाल किया गया था। इन फर्जी खातों में से कुछ में ब्रिटेन और कनाडा में रहने वाले सिखों द्वारा खलिस्तान के समर्थन की भी बात कही गई। रिपोर्ट के मुताबिक इन अकाउंट्स की ओर से यह भी कहा गया कि खलिस्तान आतंकियों द्वारा किसान आंदोलन को कैप्चर कर लिया गया है। आंदोलन किसानों का न होकर खलिस्तान का हो गया है। रिपोर्ट के लेखक बेंजामिन स्ट्रिक के अनुसार इस नेटवर्क का उद्देश्य 'सिख स्वतंत्रता, मानवाधिकारों और मूल्यों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर धारणाओं को बदलना' प्रतीत होता है।

हालांकि इस नेटवर्क के भारत सरकार से संबंधित होने का कोई सबूत नहीं मिला है। नेटवर्क ने 'पपेट' अकाउंट का इस्तेमाल किया, जो फेक थे और असली लोग उनका इस्तेमाल करते थे। फर्जी प्रोफाइल में सिख नामों का इस्तेमाल किया गया और 'असली सिख' होने का दावा किया गया। उन्होंने बढ़ावा देने के लिए हैशटैग **#RealSikh** और बदनाम करने के लिए **#FakeSikh** का इस्तेमाल किया। यह रिपोर्ट गैर-लाभकारी संगठन सेंटर फॉर इंफॉर्मेशन रेजिलिएंस **(CIR)** ने तैयार की है। इसमें पाया गया कि नेटवर्क के कई अकाउंट्स ने अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर एक ही फेक प्रोफाइल का इस्तेमाल किया। इन अकाउंट्स के नाम, प्रोफाइल फोटो और कवर फोटो एक जैसे थे और इनसे एक जैसी पोस्ट पब्लिश की गई थी।

बाइडन शालंदा यंग को बजट निदेशक नामित करेंगे

वाशिंगटन (एजेंसी) । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन प्रबंधन और बजट कार्यालय (ओएमबी) के प्रमुख के लिए शालंदा यंग को नामित करने वाले हैं। प्रशासन के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। यंग ने इस साल ज्यादातर समय बजट कार्यालय के कार्यवाहक निदेशक के रूप में कार्य किया है। इस पद के लिए बाइडन ने पहले नीरा टंडन को नामित करने का विचार किया था लेकिन सांसदों के खिलाफ पहले की अपनी टिप्पणियों के लिए टंडन को दोनों दलों की आलोचना के बाद पीछे हटना पड़ा। यंग को भी सीनेट में नाम की पुष्टि के लिए वोट का सामना करना पड़ा, लेकिन मार्च में लगभग दो-तिहाई समर्थन और कई रिपब्लिकन सांसदों के समर्थन के साथ उनकी वर्तमान भूमिका की मंजूरी मिल गई थी। प्रतिनिधि सभा की विनियोग समिति की पूर्व स्टाफ निदेशक के रूप में यंग को स्पीकर नैन्सी पेलोसी सहित शीर्ष डेमोक्रेटिक नेताओं का समर्थन प्राप्त था। यंग ओएमबी का नेतृत्व करने वाली पहली अश्वेत महिला होंगी। बाइडन द्वारा अर्बन इंस्टीट्यूट थिंक टैंक की वरिष्ठ उपाध्यक्ष नानी कोलोरेट्टी को ओएमबी के लिए उप निदेशक के रूप में नामित करने की उम्मीद है। सदन द्वारा पुष्टि होने पर कोलोरेट्टी सरकार में शीर्ष पद पर नियुक्त एशियाई अमेरिकी में शामिल होंगी।

इमरान ने माना कंगाल हुआ पाकिस्तान, सरकार चलाने के लिए नहीं है देश के पास पैसे

इस्लामाबाद (एजेंसी): आर्थिक मदहाली के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे प्रधानमंत्री इमरान खान ने कबूल कर लिया है कि उनका देश कंगाल हो चुका है । इमरान ने कहा कि सबसे बड़ी समस्‍या यह है कि हमारे पास देश को चलाने के लिए पैसा नहीं है और इसी वजह से पाकिस्तान को कर्जा लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिस घर में खर्च ज्यादा हो और आमदनी कम हो तो वह घर हमेशा दिक्‍कतों से घिरा रहेगा और यही हाल पाकिस्‍तान का हो गया है। इमरान का यह बयान अब सोशल मीडिया पर जमकर शेयर किया जा रहा है। विदेशी कर्ज नहीं लेने का वादा करके आई इमरान खान सरकार लगातार लोन चुकाने के लिए लोन लेती जा रही है। हाल में ही पाकिस्तान की संसद में इमरान खान सरकार ने कबूल किया था कि अब हर पाकिस्तानी के ऊपर अब 1 लाख 75 हजार रुपये का कर्ज है। इसमें इमरान खान की सरकार का योगदान 54901 रुपये है, जो कर्ज की कुल राशि का 46 फीसदी हिस्सा है। कर्ज का यह बोझ पाकिस्तानियों के ऊपर पिछले दो साल में बढ़ा है। यानी जब इमरान ने पाकिस्तान की सत्ता संभाली थी तब देश के हर नागरिक के ऊपर 120099 रुपये का कर्ज था। इमरान खान ने कहा कि खर्च ज्यादा होने की वजह से पाकिस्तान निवेश नहीं कर पा रहा है और इससे देश का विकास नहीं हो पा रहा है। दरअसल ऋण लेकर कर्ज चुका रहे कंगाल पाकिस्तान को अब विदेशी एजेंसियों से कर्ज नहीं मिल पा रहा है। **IMF** ने पाकिस्तान को एक अरब डॉलर का लोन देने से इनकार कर दिया है। **IMF** को मनाने के लिए इमरान सरकार ने बिजली और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि की लेकिन इससे भी वैश्विक संस्‍था को संतुष्ट नहीं किया जा सका। **IMF** से कर्ज नहीं मिलने से अब इमरान खान को चीन या खाड़ी देशों के आगे एक बार फिर से झोली फैलाना पड़ सकता है।

अमेरिका में स्कूल खुलते ही बेकाबू हुआ कोरोना, हफ्ते में 1.41 लाख बच्चे बने शिकार

न्यूयार्क (एजेंसी): अमेरिका में एक बार फिर कोरोना बेकाबू हो चुका है।कोरोना वायरस अब यहां तेजी से बच्चों को अपना शिकार बना रहा है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स **(AAP)** की रिपोर्ट के अनुसार बीते सप्ताह 11 से 18 नवंबर के बीच 1,41,905 बच्चों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। वायरस का यह रूप दुनिया के लिए खतरे की घंटी हो सकती है।रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों में संक्रमण की गति में बीते दो सप्ताह की तुलना में 32 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन **(CDC)** के अनुसार अक्तूबर में 5 से 11 वर्ष के 8300 बच्चे संक्रमण के बाद अस्पताल में भर्ती हुए। इसमें से 172 ने दम तोड़ दिया। **CDC** ने कहा है कि महामारी की तेज गति के बीच 2300 स्कूलों को बंद किया गया, जिससे 12 लाख बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई। अब स्कूल खुलने के साथ ही संक्रमण बेकाबू होने लगा है, जो आने वाले समय के लिए चेतावनी है। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्सियश डिजीज के निदेशक डॉ. एंथनी फौसी माना कि हाल के दिनों में संक्रमण की दर हर उम्र के बच्चों में बढ़ रही है, जो चिंताजनक स्थिति है। डॉ. एंथनी फौसी का कहना है कि हमारे आसपास कई तरह के वायरस घूम रहे हैं। बच्चों को लेकर सबसे ज्यादा सावधानी बरतनी होगी अन्यथा हालात एक बार फिर से बिगड़ सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वयस्कों की तुलना में संक्रमित बच्चों को अस्पताल में भर्ती होने की नौबत कम आ रही है। राज्यों के आंकड़ों पर गौर करें तो संक्रमण की चपेट में आने वाले बच्चों में से 1.7 से 4.0 फीसदी बच्चों को अस्पताल में इलाज की जरूरत पड़ रही है। हालांकि, संक्रमण की गति बढ़ने पर भर्ती होने वाले बच्चों की संख्या बढ़ सकती है। आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका में बीते सप्ताह मिले संक्रमण के एक तिहाई मामले बच्चों से जुड़े हुए हैं। अमेरिका में बच्चों की आबादी 22 फीसदी है। महामारी की चपेट में तीन फीसदी से कम बच्चे आए हैं, इस अनुसार 68 लाख से अधिक बच्चे संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, संक्रमण के कारण बच्चों में मौत की दर बेहद कम है। कोरोना से छह अमेरिकी राज्यों में एक भी बच्चे की मौत नहीं हुई है। बच्चों में संक्रमण के सामान्य लक्षण दिख रहे हैं। हल्के बीमार हो रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चों को समय-समय पर इंफ्लूएंजा, मेनिनजाइटिस, चिकनपॉक्स और हेपेटाइटिस का टीका लग रहा है, जो उनके इम्युन को मजबूत बनाता है।

नेपाल ने आठ वर्षों में 3130 विदेशी किए निर्वासित, इनमें अधिकतर चीनी नागरिक

काठमांडू (एजेंसी)।

नेपाल सरकार ने पिछले आठ वर्षों में हिमालयी देश से 3,130 विदेशी नागरिकों को निर्वासित किया है, जिनमें से अधिकांश चीनी नागरिक हैं। माई रिपब्लिका ने बताया कि विदेशी नागरिक विभिन्न देशों से नेपाल पहुंचे और नेपाल में विभिन्न अवैध गतिविधियों में लिप्त थे। आव्रजन विभाग **(DoI)** के अनुसार निर्वासित लोगों में 1,513 चीनी नागरिक थे जबकि 214 अमेरिका के थे। इसी अवधि के दौरान कम से कम 118 बांग्लादेशियों, 104 ब्रिटिश और 74 पाकिस्तानियों को भी उनके देशों में वापस भेज दिया गया था। **DoI** के प्रवक्ता झंका नाथ ढकाल ने कहा, उन्हें विभिन्न अपराधों में शामिल होने, देश में अधिक समय तक रहने और संदिग्ध पासपोर्ट रखने के लिए नेपाल से निर्वासित किया गया । उन्होंने कहा, विदेशियों को अधिक समय तक रहने सहित विभिन्न अपराधों में शामिल होने के लिए गिरफ्तार किया गया है। माई रिपब्लिका ने बताया कि नेपाल में चीनी नागरिकों की संख्या में वृद्धि के साथ, वीजा द्वारा निर्धारित शर्तों का उल्लंघन करने वाले लोगों में तेजी से वृद्धि हुई है। **DoI** ने यह भी बताया कि हिमालयी राष्ट्र ने चालू वर्ष में कम से कम 141 विदेशियों को निर्वासित किया है और उनमें से ज्यादातर चीनी हैं और अन्य अमेरिकी, ब्रिटिश, जर्मन और फ्रेंच हैं।

अमेरिका ने 'समिट फॉर डेमोक्रेसी' के लिए ताइवान को किया आमंत्रित, तिलमिला उठा चीन

बीजिंग (एजेंसी): लोकतंत्र पर चर्चा के लिए आयोजित होने वाले 'समिट फॉर डेमोक्रेसी' में भाग लेने की खातिर ताइवान को आमंत्रित करने के बाइडेन प्रशासन के कदम पर आपत्ति जताते हुए चीन ने बुधवार को अमेरिका को चेतावनी दी कि ताइपे को विश्व मंच देने से वह 'आहत' होगा। इसके साथ ही चीन ने शिखर सम्मेलन की भी आलोचना करते हुए कहा कि इसके आयोजन का मकसद अमेरिका के 'भू-राजनीतिक इरादों' को आगे बढ़ाना है। इससे पहले अमेरिका के विदेश विभाग ने घोषणा की थी कि स्व-शासित द्वीप ताइवान सहित 110 देशों को 9-10 दिसंबर को आयोजित 'समिट फॉर डेमोक्रेसी' के लिए आमंत्रित किया गया है। बैठक का आयोजन अमेरिका के नेतृत्व में होगा। हांगकांग स्थित समाचार पत्र साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के अनुसार शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रितों की सूची से चीन को हटा दिया गया है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र से आमंत्रित देशों में भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और फिलीपीन भी शामिल हैं। सर्बिया सहित ज्यादातर यूरोपीय देशों को भी आमंत्रित किया जाता है, लेकिन बोस्निया और हर्जेगोविना और हंगरी को नहीं बुलाया गया है। चीन लोकतंत्र शिखर सम्मेलन की आलोचना करता रहा है और उसका कहना है कि अमेरिका के पास ही इसके लिए 'पेटेंट' नहीं है और इस आयोजन का मकसद दुनिया को विभाजित करना है। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि लोकतंत्र संबंधी बैठक के लिए ताइवान को बुलाए जाने से चीन हैरान है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में अमेरिकी कदम की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि चीन लोकतंत्र संबंधी शिखर बैठक में भाग लेने के लिए अमेरिकी अधिकारियों द्वारा ताइवान को आमंत्रित करने का कड़ा विरोध करता है... दुनिया में एक ही चीन है और चीन की सरकार चीन का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र कानूनी सरकार है।

न्यूजीलैंड जनवरी में दुनिया के लिए फिर खोलेगा अपनी सीमाएं, रखी ये शर्त

वेलिंग्टन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने अगले साल की शुरुआत में अपनी सीमाएं फिर से खोलने का ऐलान किया है। मंत्री क्रिस हिपकिंस ने बुधवार को कहा कि पूरी तरह से टीका लगाने वाले न्यूजीलैंड के नागरिकों के लिए जनवरी 2022 से सीमाएं खोल दी जाएंगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पूरी तरह से टीका लगाए गए कीवी और अन्य पात्र यात्री 16 जनवरी, 2022 रात 11.59 बजे से **MIQ** में ठहरे बिना ऑस्ट्रेलिया से न्यूजीलैंड की यात्रा कर सकेंगे। सरकार ने बुधवार को इसकी घोषणा करते हुए जनवरी से विस्थापित निवासियों की वापसी और अप्रैल से पर्यटकों के आने की मंजूरी दे दी है। न्यूजीलैंड इसके साथ ही इंडोनेशिया, भारत और ब्राजील समेत कुछ देशों को अत्यधिक जोखिम वाले देशों की सूची से हटा रहा है जिससे इन देशों से लोग न्यूजीलैंड आ सकेंगे। कोविड-19 महामारी फैलने पर इस दक्षिण प्रशांत देश ने कड़े सीमा प्रतिबंध लगाए थे, पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी और देश लौटने वाले निवासियों के लिए सेना द्वारा संचालित किसी पृथक वास केंद्र में दो हफ्ते बिताने को अनिवार्य कर दिया था। महामारी के पहले 18 महीनों में सीमा प्रतिबंध न्यूजीलैंड को कोरोना वायरस से मुक्त बनाने के लिए अहम माने गए। कोविड-19 प्रतिक्रिया मंत्री क्रिस हिप्किन्स ने कहा कि सरकार ने न्यूजीलैंड वासियों को महामारी में सुरक्षित रखने के लिए मुश्किल फैसले लिए। उन्होंने कहा, ''हमने माना कि यह बहुत मुश्किल रहा। परिवारों को अलग कर दिया गया। लोगों को ऐसे स्थानों पर रहना पड़ा जहां वह लंबे समय तक नहीं रहना चाहेंगे। हम इस बात से भली भांति परिचित हैं कि इन पाबंदियां का लोगों के जीवन और उनकी आजीविका पर क्या असर पड़ा है।'' सरकार की योजना के तहत देश में आने वाले सभी यात्रियों को अब भी कम से कम सात दिनों के लिए खुद को पृथक रखना होगा कोविड-19 रोधी टीके की पूरी खुराक ले चुके न्यूजीलैंड के लोग 16 जनवरी से पृथक-वास किए बिना ऑस्ट्रेलिया से लौट सकेंगे और 13 फरवरी के बाद अन्य देशों से लौट सकेंगे। पर्यटकों तथा अन्य यात्रियों के लिए 30 अप्रैल से देश में प्रवेश के दरवाजे अलग-अलग चरणों में खोले जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

तालिबान के 100 दिन पूरे: नहीं मिली सरकार को मान्यता, पड़ोसी देशों से रिश्ते बनाने की कोशिशें भी विफल

इंटरनेशनल डेस्क: अफगानिस्तान में तालिबान के शासन के 100 दिन पूरे हो गए हैं। इन 3 महीनों में तालिबान को समझ आ चुका है कि किसी देश पर कब्जा करना आसान है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मुश्किल है। टोलो न्यूज के मुताबिक, इस दौरान आमिर खान मुत्तकी के नेतृत्व में अफगान सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता पाने के कूटनीतिक प्रयास कई बार किए, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इस्लामी मुल्क के अधिकारी क्षेत्र के कई देशों में गए। जवाब में करीब छह देशों के प्रतिनिधियों ने अफगानिस्तान की यात्रा कर उसके अधिकारियों से वार्ता की। इधर, ईरान, पाकिस्तान, भारत, रूस और चीन ने अफगानिस्तान के भविष्य पर बैठकों का आयोजन किया। जी-20 के नेताओं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अलग सत्र में अफगानिस्तान मुद्दे पर विचार किया। अफगान सरकार की उम्मीदों के विपरीत इन बैठकों में इस्लामी सरकार को मान्यता देने के मुद्दे पर विचार नहीं किया गया। इसके बजाय इन बैठकों का मुद्दा समावेशी सरकार, मानवाधिकार, विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता, शिक्षा के अधिकार, अफगान महिलाओं को रोजगार और लड़कियों को शिक्षा का अधिकार दिलाना रहा। साथ ही कहा गया कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल आतंक के लिए न हो। इस दौरान इस्लामी सरकार की विदेश नीति और कूटनीतिक रिश्ते केवल कुछ पड़ोसी और क्षेत्रीय मुल्कों तक सीमित रहे। विदेश मंत्रालय के पूर्व सलाहकार फखरुद्दीन क्वारीजादा ने कहा कि दुनिया को इंतजार है कि तालिबान अपने पुराने वायदों पर खरा उतरता है या नहीं। बता दें कि अफगानिस्तान की नई सरकार का मुखिया मावलाई हबीबुल्ला अखंदजादा है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 11 देशों ईरान, पाकिस्तान, चीन, रूस, तुर्की, कतर, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाखिस्तान, किर्गिस्तान, इटली और संयुक्त अरब अमीरात ने अफगानिस्तान में अपने दूतावास खोले हैं। इस बीच भारत ने एक बार फिर दोहराया है कि अफगान संकट का बातचीत के जरिए समावेशी राजनीतिक हल निकालने की जरूरत है। साथ ही कहा है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल किसी भी दूसरे देश को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा, भारत अफगान मुद्दे पर चिंतित सभी देशों के संपर्क में है। हालांकि, यह भी देखना होगा कि इस मुश्किल परिस्थिति में किस तरह बेहतर ढंग से आगे बढ़ा जा सकता है। उद्योग परिसंघ के सत्र में श्रृंगला बोले, भारत अपने क्षेत्र में नई सामरिक हकीकत को लेकर कमजोर स्थिति में नहीं हैं।

अफगानिस्तान में आतंकवाद रोकने के लिए पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करेगा ब्रिटेन

इस्लामाबाद। ब्रिटेन ने अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने और युद्धग्रस्त देश में आतंकवाद को रोकने समेत साझा चिंताओं के मामलों पर पाकिस्तान के साथ मिलकर कामकरने का फैसला किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के अफगानिस्तान और पाकिस्तान के लिए विशेष प्रतिनिधि निगेल केसी ने कहा कि ब्रिटेन अगस्त में अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद अफगानिस्तान में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध है। ब्रिटिश उच्चायोग ने कहा कि इस्लामाबाद और कराची की तीन दिवसीय यात्रा के लिए पाकिस्तान आए केसी ने पाकिस्तान के सैन्य, असैन्य नेताओं के साथ अफगानिस्तान में मानवीय स्थिति पर चर्चा की। केसी ने सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ, विदेश सचिव सोहेल महमूद और अफगानिस्तान के लिए पाकिस्तान के विशेष प्रतिनिधि मुहम्मद सादिक के साथ अफगानिस्तान से संबंधित मामलों पर बैठकें कीं। उच्चायोग ने एक बयान में कहा, ''केसी ने अफगानिस्तान में मानवीय स्थिति पर चर्चा की, जिसके लिए ब्रिटेन पहले ही 25 लाख अफगानों, खासकर महिलाओं और बच्चियों के लिए पांच करोड़ पाउंड की धनराशि देने का वादा कर चुका है। यह धनराशि इस साल अफगानिस्तान के लिए ब्रिटेन की तरफ से 28.6 करोड़ पाउंड की सहायता के लिए जताई गई प्रतिबद्धता के तहत है।'' ब्रिटेन के दूत ने अपनी बैठक में समावेशी राजनीति, महिलाओं के अधिकार और सुरक्षा स्थिति सहित आपसी सरोकार के क्षेत्रों पर भी चर्चा की। केसी ने कहा, ''ब्रिटेन अफगानिस्तान में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ करने को प्रतिबद्ध है और हमारी नीति व्यावहारिक भागीदारी में से एक है। हम अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने और अफगानिस्तान में आतंकवाद के उभार को रोकने के लिए साझा चिंताओं के मामलों पर पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।'' अफगानिस्तान पर चर्चा के अलावा, विशेष प्रतिनिधि ब्रिटेन और पाकिस्तान के बीच व्यापार के अवसरों पर चर्चा करने के लिए कराची में व्यापारिक नेताओं से मुलाकात करेंगे। केसी ने कहा कि ब्रिटेन और पाकिस्तान के बीच व्यापार और लोगों का आपसी संबंध काफी मजबूत है। दोनों देशों के रिश्तों को ब्रिटेन में रह रहे 16 लाख पाकिस्तानी प्रवासियों ने और मजबूती दी है। केसी ने कहा, ''मैं ब्रिटेन से संबद्ध अफगान लोगों को अफगानिस्तान से निकालने के हमारे प्रयासों के समर्थन के लिए पाकिस्तान का आभारी हूं।''

योगी सरकार का बड़ा तोहफा–

राशन कार्ड धारकों को मिलेगा 'दोगुना मुफ्त राशन'

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में 15 करोड़ से अधिक राशन कार्ड धारकों को मुफ्त राशन की डबल डोज देने का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के बाद केंद्र सरकार द्वारा भी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) योजना के तहत मुफ्त राशन वितरण अभियान को अगले साल मार्च तक बढ़ाने के फैसले के बाद अब यूपी के पात्र कार्ड धारकों को हर महीने 10 किलो राशन मुफ्त मिलेगा। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने पीएमजीकेएवाई को मार्च 2022 तक बढ़ा दिया है। राशन कार्ड धारकों को महीने में दो बार गेहूं और चावल मुफ्त मिलेगा। दाल, खाद्य तेल और नमक भी मुफ्त दिया जाएगा। कोविड काल से चल रहे मुफ्त राशन वितरण के जरिये सरकार आर्थिक रूप से कमजोर गरीबों,मजदूरों को बड़ा सहारा देने की योजना पर काम कर रही है। महामारी के दौर में शुरू हुई पीएमजीकेएवाई इस साल नवंबर में खत्म हो रही थी, इसको देखते हुए सीएम योगी ने 3 नवंबर को अयोध्या में राज्य सरकार की ओर से होली तक मुफ्त राशन वितरण की घोषणा की थी। अंत्योदय राशन कार्डधारकों और पात्र परिवारों को दिसंबर से दोगुना राशन वितरण किया जाएगा। अंत्योदय अन्न योजना के तहत लगभग 1.30 करोड़ इकाइयां और पात्र घरेलू कार्डधारकों की 13.41 करोड़ इकाइयां प्रदेश में हैं। केन्द्र व राज्य सरकार की ओर से कोरोना काल के दौरान शुरू हुए राशन वितरण में अप्रैल 2020 से अक्टूबर 2021 तक कुल 122 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न वितरित कर रिकॉर्ड कायम किया गया था। सरकार का दावा है कि राज्य सरकार कोरोना काल में गरीब और बेसहारा लोगों का बड़ा संबल बनी है। सरकार ने 80 हजार कोटेदारों के माध्यम से राशन वितरण अभियान को हर गरीब व बेसहारा लोगों तक पहुंचाने का काम किया है।

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत अब तक 119.38 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके

नई दिल्ली ।

पिछले 24 घंटों में 90,27,638 वैक्सीन की खुराक देने के साथ ही भारत का कोविड 19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 119.38 करोड़ (1,19,38,44,741) के अहम पड़ाव से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 1,23,73,056 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया है। पिछले 24 घंटों में 10,264 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 3,39,67,962हो गई है। भारत में स्वस्थ होने की दर 98.33त्र है। केंद्र और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा निरंतर और सहयोगात्मक रूप से किए जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप पिछले 151 दिनों से लगातार 50,000 से कम दैनिक नए कोविड मामले दर्ज किए जा रहे हैं। पिछले 24 घंटे में 9,119 नए मरीज सामने आए हैं। वर्तमान में 1,09,940 सक्रिय रोगी हैं। वर्तमान में ये सक्रिय मामले देश के कुल पुष्टि वाले मरीजों का 0.32 प्रतिशत हैं। यह मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। देश भर में जांच क्षमता का विस्तार लगातार जारी है। पिछले 24 घंटों में कुल 11,50,538जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 63.59करोड़ (63,59,24,763) जांच की गई हैं। देश भर में जांच क्षमता को बढ़ाया गया है, साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 0.93 प्रतिशत है जो पिछले 62 दिनों से लगातार 2त्र से कम बनी हुई है। दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 0.79 प्रतिशत है। दैनिक सकारात्मकता दर पिछले 52 दिनों से 2 प्रतिशत से कम और लगातार 87 दिनों से दैनिक 3 प्रतिशत से नीचे बनी हुई है

राज्यों को अब तक 132 करोड़ से अधिक टीके उपलब्ध कराये

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार पूरे देश में कोविड-19 टीकाकरण के दायरे का विस्तार करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण अभियान 16 जनवरी 2021 को शुरू हुआ था। कोविड-19 का टीका सभी को उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून 2021 से शुरू किया गया था। टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीकाकरण की व्यवस्था कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को अधिक बेहतर बनाया जा सके। केंद्र सरकार देशव्यापी कोविड रोधी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही है। टीके की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार टीका निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को निऱ्शुल्क प्रदान करेगी। केंद्र सरकार द्वारा अब तक निःशुल्क और सीधे राज्य सरकार खरीद माध्यमों से टीके की 132 करोड़ से अधिक (1,32,33,15,050) खुराक राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई गई हैं।

टीएमसी में शामिल होकर मुकुल संगमा ने कहा, कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल की भूमिका निभाने में विफल

शिलांग । मेघालय में विपक्षी दल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। राज्य में कांग्रेस के 17 में से 12 विधायक पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा के साथ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हो गए हैं।गुरुवार को शिलांग में मुकुल संगमा ने टीएमसी में जाने की घोषणा करते हुए कांग्रेस पर भी निशाना साधा है। संगमा ने कहा कि कांग्रेस देश के मुख्य विपक्षी दल की भूमिका निभाने में विफल रही है। उन्होंने कहा, हम लोगों ने तृणमूल कांग्रेस के साथ जाने का फैसला किया है।मेघालय के पूर्व मुखे यमंत्री संगमा ने कहा, आज मेघालय के लिए बड़ा अहम दिन है।हम आज राज्य के भविष्य के लिए नया ट्रेंड स्थापित कर रहे हैं।मेघालय की जनता, देश की जनता की बेहतरी के लिए हम लोगों ने तृणमूल कांग्रेस के साथ जाने का फैसला लिया है। इसके पहले ईस्ट खासी हिल्स जिले के मौसीनराम से विधायक शंगप्लियांग ने कहा था, 'मेघालय में कांग्रेस के 17 में से 12 विधायकों ने तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय लिया है।हम पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा के नेतृत्व में औपचारिक रूप से तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो रहे है।

भारत निर्वाचन आयोग 'महिलाओं, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की चुनावी भागीदारी बढ़ाना

नई दिल्ली।

एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड इलेक्शन बॉडीज (ए-डब्ल्यूईबी) पूरी दुनिया में चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) का सबसे बड़ा संघ है। इसके 117 ईएमबी सदस्य और 16 क्षेत्रीय संघ/संगठन सहयोगी सदस्य हैं। भारत निर्वाचन आयोग 3 सितंबर, 2019 से 3 साल की अवधि के लिए ए-डब्ल्यूईबी का अध्यक्ष बना है। ए-डब्ल्यूईबी की अध्यक्षता के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत निर्वाचन आयोग 26 नवंबर, 2021 को 'महिलाओं, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की चुनावी भागीदारी बढ़ाना : सर्वोत्तम प्रथाओं और नई पहलों को साझा करना' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित कर रहा है।

24 देशों- बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, इथोपिया, फिजी, जॉर्जिया, कज़ाकिस्तान, कोरिया गणराज्य, लाइबेरिया, मलावी, मॉरीशस, मंगोलिया, फिलीपींस, रोमानिया, रूस, साओ टोम और प्रिंसिपे, सोलोमन द्वीप समूह, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, सूरीनाम, ताइवान, उज्बेकिस्तान, यमन और जाम्बिया तथा 4 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों- इंटरनेशनल आईडीइए, इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ इलेक्टोरल सिस्टम (आईएफईएस), एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड इलेक्शन बॉडीज (ए-डब्ल्यूईबी) और यूरोपियन सेंटर फॉर इलेक्शन के लगभग 100 प्रतिनिधि इस वेबिनार में भाग ले रहे हैं। उज्बेकिस्तान के राजदूत और फिजी, मालदीव, मॉरीशस के उच्चायुक्तों सहित लगभग 20 राजनयिकों का भी इस वेबिनार में भाग लेने का कार्यक्रम है। वेबिनार में, भाग लेने वाले ईएमबी और संगठनों द्वारा महिलाओं, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की चुनावी भागीदारी बढ़ाने के लिए उनके द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं और पहलों पर प्रेजन्टेशन दिए जाएंगे। पहले सत्र की सह-अध्यक्षता भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्र और मॉरीशस के चुनाव आयुक्त मोहम्मद इरफ़ान अब्दुल रहमान तथा बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त केएम नूरुल हुडा के साथ करेंगे।

बढ़ते प्रदूषण के बीच दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला- कंस्ट्रक्शन पर फिर लगी रोक, मजदूरों को दिए जाएंगे 5-5 हजार

नई दिल्ली।

देश की राजधानी दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच दिल्ली सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने वीरवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सरकार ने निर्माण एवं तोड़फोड़ की गतिविधियों पर फिर से प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। राय ने कहा कि निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध से प्रभावित श्रमिकों को वित्तीय सहायता देने के लिए श्रम विभाग को योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। राय ने कहा कि हमने बृहस्पतिवार से निर्माण और तोड़फोड़ गतिविधियों पर फिर से प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। पुनर्प्रतिबंध लागू करने से श्रमिकों को असुविधा होगी, इसलिए हम उन्हें वित्तीय सहायता मुहैया कराएंगे। हमने श्रम विभाग को इस संबंध में एक योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में अगले आदेश तक निर्माण गतिविधियों पर फिर से रोक लगा दी थी। गैर प्रदूषणकारी निर्माण गतिविधियां, जैसे कि नल-साजी (प्लंबिंग), घर की आंतरिक सजावट, बिजली का काम और बढ़ई के काम आदि को अनुमति दी गयी है। न्यायालय ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य श्रमिकों के कल्याण के लिए श्रम उपकर के तौर पर संग्रहित कोष का उपयोग निर्माण गतिविधियों पर रोक की अवधि के दौरान श्रमिकों को गुजारा भत्ता देने के लिए किया जाए। वायु गुणवत्ता में सुधार और श्रमिकों को हो रही परेशानी की वजह से सोमवार को निर्माण एवं तोड़फोड़ गतिविधियों से प्रतिबंध हटा दिया गया था। दिल्ली सरकार ने स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी कार्यालयों को 29 नवंबर से फिर से खोलने का बुधवार को फैसला किया। राष्ट्रीय राजधानी में आवश्यक सेवाओं में लगे ट्रकों को छोड़कर बाकी सभी ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध तीन दिसंबर तक जारी रहेगा। राय ने कहा कि सीएनजी व इलेक्ट्रिक ट्रक 27 नवंबर से दिल्ली में प्रवेश कर सकेंगे। वहीं, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वायु प्रदूषण के कारण कंस्ट्रक्शन गतिविधियों पर रोक के मद्देनजर मैंने आज मजदूरों के बैंक खातों में पांच-पांच हजार रुपये जमा करने का आदेश दिया है।

अखिलेश का तंज- एक तरफ तो हवाई अड्डे बेच रही, दूसरी तरफ नए बना रही है सरकार

लखनऊ।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अडडे के उद्घाटन पर सरकार पर निशाना साधते हुये कहा कि यह कैसी सरकार हैं जो एक तरफ तो हवाई अडडे बेच रही है तो दूसरी तरफ नया बना रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि लोग अपना मन बना लें, तो 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ेगा क्योंकि जनता को इतना दुख तकलीफ किसी सरकार ने नहीं दी होगी, जितनी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने दी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां सपा के सहयोगी दल जनवादी पार्टी सोशलिस्ट की जनक्रांति महारैली में कहा,''भारतीय जनता पार्टी के लोग आज शिलान्यास करने गये हैं। यह कैसे भारतीय जनता पार्टी के लोग हैं जो एक तरफ तो हवाई अडडा बेच रहे हैं दूसरी तरफ हवाई अडडा बना रहे हैं । कौन भरोसा करेगा इनकी बातों पर। '' बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतमबुद्धनगर के जेवर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अडडे का उदघाटन किया है। सपा प्रमुख का इशारा इसी पर था। यादव ने कहा,''भाजपा ने कहा था कि हवाई चप्पल से चलने वाला हवाई जहाज से चलेगा। ऐसे कितने गरीब हैं जिन्होंने हवाई जहाज से यात्रा की है? देश में जितने भी हवाई अड्डे हैं सब घाटे में हैं । दिल्ली का हवाई अड्डा कई हजार करोड़ रूपये के घाटे में हैं। एयर इंडिया घाटे में है। निजी एयरलाइन भी घाटे में हैं। यह नया हवाई अड्डा इस लिये बन रहा है कि जब यह बनकर तैयार हो जायेगा भारतीय जनता पार्टी उसको भी बेच देगी।'' यादव ने कहा,'' सरकारी संस्थान बिकने लगेंगे तो आने वाली पीढ़ी के भविष्य का क्या होगा ? उन्हें नौकरी कौन देगा, उनको रोजगार कौन देगा। अगर सरकारी संस्थान बिक जायेंगे तो आरक्षण कौन देगा?'' केंद्र सरकार द्वारा तीन कृषि कानूनों वापस लेने पर सपा नेता ने कहा, ''सरकार ने तीन कानून वापस लिये हैं, क्योंकि वह जान गयी थी कि इस बार किसान उन्हें गांव में घुसने नहीं देंगे। किसान उनको जवाब वोट से देंगे। अभी केवल तीन कानून वापस हुये हैं कोई ऐसा फैसला नही हुआ है जिससे हमारे किसानो को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी मिले।

जब एमएसपी नही मिलेगी हम समाजवादी लोग गरीबों-किसानों के लिये लगातार संघर्ष करते रहेंगे।'' उन्होंने कहा,'' कि सरकार बताये कि वह किसानों के लिए क्या कर रही है ? सरकार किसानों के गन्ने का बकाया नही दे पा रही है।''

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले

हम किसानों और रामभक्तों पर गोलियां नहीं चलवा सकते

सीतापुर।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम किसानों और रामभक्तों पर गोलियां नहीं चलवा सकते। यह सपा को मंजूर होगा। हमे नहीं।

राजनाथ सिंह गुरुवार को सीतापुर के ग्रास फार्म पर अवध क्षेत्र के 15 जिलों के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कृषि कानून की वापसी को लेकर कहा कि किसानों को बहुत समझाने की कोशिश की गई, लेकिन जब नहीं समझा पाए तो कानून वापस लेने का फैसला किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम किसानों को ऐसे हालत पर नहीं छोड़ सकते। ऐसा कोई काम नहीं करेंगे, जिससे किसान परेशान हों। सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने रामभक्तों पर गोलियां चलवा दीं। हम किसानों और रामभक्तों पर गोलियां नहीं चलवा सकते हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि चुनाव आ रहा है तो सपा के लोग जिन्ना को ले आए। जिसने देश का विभाजन किया, उसके नाम का सहारा ले रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने नारा लगाया देश में रहना होगा, वंदेमातरम कहना होगा। राजनाथ ने कहा हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। काम करने की क्षमता, कुशलता व ताकत जब तक सत्ता में बैठे लोगों में नहीं होगी, तब तक देश सेवा नहीं हो सकती। कहा कि कारगिल युद्ध के हीरो कैप्टन मनोज पांडेय की यह जन्म स्थली है। सीतापुर की मां के कोख में जन्मे मनोज पांडेय ने कारगिल युद्ध में अदम्य साहस का परिचय दिया था। देश की अखंडता के लिए अपनी जान को न्यौछावर कर दिया था। ऐसे वीरों की धरती है सीतापुर। देश के लिए जीवन अर्पण करने वालों को याद किया जाना चाहिए। सात दिन पहले भारत और चीन की सीमा पर रेजांगला में था। मुझे बताया गया कि वहां आज तक कोई रक्षा मंत्री नहीं गया। जिन लोगों ने ऐसी धरती पर रहकर देश की सीमाओं की रक्षा की वहां मैं गया। रक्षामंत्री ने कहा कि चार माह पहले जब मैं लद्दाख गया, वहां भारत और चीन के बीच युद्ध हुआ था। वहां पता चला कि यहां भारत के 124 सैनिकों ने चीन के हजारों सैनिकों का सामना किया और चीन को भारी नुकसान पहुंचाया था। भारत की एकता, अखंडता की रक्षा के लिए जैसे सैनिकों की जरूरत होती है। वैसे ही देश में सुशासन देने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं की भूमिका है। बूथ कार्यकर्ताओं में उन्होंने देश भक्ति का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा रायबरेली के सी-1 के बूथ अध्यक्ष रामसेवक से बात की। उन्नाव के आदर्श नगर आंशिक के अमर वर्मा, सीतापुर के विवेक विश्वकर्मा से बात की। पूर्वी लखेड़ा लखीमपुर के रोहित, हरदोई के अभिषेक, बलरामपुर से चंद्र कुमार मौर्य, बहराइच से घनश्याम, रनियापुर के विशाल तिवारी आदि से बात की।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में अब तक 92.5 लाख लोगों ने नहीं ली वैक्सीन की दूसरी डोज़

मुंबई। देश भर में कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले भले ही कम हो गए हैं लेकिन खतरा अभी टला नहीं है. लोगों को लापरवाही भारी पड़ सकती है. महाराष्ट्र में करीब 92.5 लाख लोगों ने अब तक वैक्सीन की दूसरी डोज़ नहीं ली है. राज्य सरकार के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक अब तक 77 लाख लोगों ने कोविशील्ड की दूसरी डोज़ नहीं ली है. जबकि कोवैक्सिन लेने वाले 15 लाख लोग भी अभी तक दूसरी डोज़ लेने के लिए नहीं पहुंचे हैं. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक जिन लोगों ने वैक्सीन की दूसरी डोज़ नहीं ली है उनकी लिस्ट सभी ज़िला अधिकारियों को दे दी गई है. 'हर घर दस्तक' अभियान के तहत इन्हें वैक्सीन लेने के लिए कहा जा रहा है. एक अधिकारी ने कहा कि लोगों को ये याद रखना चाहिए कि वैक्सीन की पहली डोज़ वायरस से लड़ने के लिए तैयार करती है. जबकि दूसरी डोज़ से एंटी बॉडी बनती है. लिहाज़ा किसी को भी दूसरी डोज़ को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए.

– 39 प्रतिशत लोगों ने ली वैक्सीन

महाराष्ट्र में अब तक 18 साल से ज्यादा उम्र के 39 फीसदी लोगों ने वैक्सीन की दोनों डोज़ ले ली हैं. जबकि 78 परसेंट लोगों ने वैक्सीन की पहली डोज़ ले ली है. कहा जा रहा है कि दीवाली के दौरान लाखों की संख्या में लोग राज्य से बाहर गए थे. ऐसे में कई लोगों ने वैक्सीन की दूसरी डोज़ नहीं ली. कई लोग भूल गए. जबकि कुछ लोगों ने ये कहते हुए वैक्सीन को नजरअंदाज कर दिया कि देश में इन दिनों कोरोना के मामले कम हो रहे हैं.

भगवान महाकाल के गर्भगृह में 6 दिसंबर से प्रवेश की अनुमति श्रद्धालुओं को

उज्जैन । मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले से भगवान महाकाल के भक्तों के लिए एक खुशखबरी है। मंदिर के गर्भगृह में छह दिसंबर से श्रद्धालुओं को मंदिर के उस स्थान में प्रवेश की अनुमति होगी। जानकारी के मुताबिक मंदिर की प्रबंधन समिति ने बैठक में दुनियाभर के श्रद्धालुओं की मांग को ध्यान में रखकर फैसला लिया। वहीं निर्णय के अनुसार गर्भगृह में प्रवेश करने के इच्छुक श्रद्धालुओं को 1500 रुपये देना होगी। एक टिकट पर दो व्यक्तियों को जाने की अनुमति होगी। कोरोना महामारी के कारण गर्भगृह में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

पशुपालन और डेयरी विभाग 26 नवंबर, 2021 को 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' मनाएगा

नई दिल्ली । पशुपालन और डेयरी विभाग डॉ. वर्गीज कुरियन (मिल्क मैन ऑफ इंडिया) की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में 26 नवंबर, 2021 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक टी.के. पटेल सभागार, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) परिसर, एनडीडीबी आनंद, गुजरात में 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' का आयोजन करेगा। विभाग इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और डॉ. कुरियन द्वारा स्थापित अन्य संस्थानों के साथ मिलकर आयोजित करेगा। 'प्रतिष्ठित सप्ताह''- विभाग द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' का सप्ताह भर चलने वाला आयोजन राष्ट्रीय दुग्ध दिवस समारोह के साथ समाप्त होगा। समारोह के दौरान, केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला देशी नस्लों की गाय/भैंसों को पालने वाले देश के सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान, सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन और सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति (डीसीएस)/दुग्ध उत्पादक कंपनी/डेयरी किसान उत्पादक संगठनों के विजेताओं को राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार प्रदान करेंगे। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करने के अलावा, पुरुषोत्तम रूपाला धामरोद, गुजरात और हेसरगट्टा, कर्नाटक में आईवीएफ प्रयोगशाला और स्टार्ट-अप ग्रैंड चैलेंज 2.0 का भी उद्घाटन करेंगे। राज्य मंत्री डॉ. मुरुगन और संजीव बालयान भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

एमईआईटीवाई ने साइबर सुरक्षित भारत पहल के तहत 24वें सीआईएसओ डीप डाइव प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

नई दिल्ली। साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने और भारत स्थित सरकारी संगठनों में एक सशक्त व मजबूत साइबर इकोसिस्टम विकसित करने के उद्देश्य से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ई-शासन विभाग विभिन्न मंत्रालयों व विभागों, केंद्र व राज्य सरकारों के सरकारी और अर्द्ध-सरकारी संगठनों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), बैंकों और अन्य के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों (सीआईएसओ) व अग्रिम मोर्चे पर नियुक्त आईटी अधिकारियों के लिए छह दिवसीय डीप डाइव प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कई विषयों जैसे कि आईएसएमएस मानक, मोबाइल सुरक्षा, भारत में साइबर सुरक्षा उत्पाद, डेटा सुरक्षा, पहचान सुरक्षा, क्रिप्टोग्राफी आदि पर केंद्रित है। इसमें सरकारी और निजी, दोनों क्षेत्रों के विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं। 22 नवंबर, 2021 को क्षमता निर्माण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मंत्रालय स्थित ई-शासन विभाग के संयुक्त सचिव आईआरएएस अमितेश कुमार सिन्हा ने भारत के बदलते साइबर परिदृश्य और कैसे देश अपनी वैश्विक साइबर सुरक्षा रैंकिंग में निरंतर सुधार कर रहा है, इन विषयों पर अपने विचार साझा किए। इसके अलावा उन्होंने बेहतर साइबर रैंकिंग के लिए प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को बधाई भी दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा, ÷साल 2020 के लिए साइबर सुरक्षा में भारत को 182 में से शीर्ष 10 देशों में जगह दी गई है, भारत साल 2018 में 47वें स्थान से छलांग लगाकर 2020 में 10वें स्थान पर पहुंच गया है। यह भारत में साइबर तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।÷ उन्होंने आगे एक लचीले साइबर इकोसिस्टम के महत्व और जरूरत को भी दोहराया। उनका कहा है कि यह देश को डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बड़ी उन्नति करने में सहायता करेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पहला कॉलम

एचबीटीयू को अपने छात्रों में नवाचार और उद्यमिता की भावना का समावेश करना चाहिए : राष्ट्रपति कोविंद

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) जैसे संस्थानों को अपने छात्रों में नवाचार और उद्यमिता की भावना का समावेश करना चाहिए। राष्ट्रपति आज कानपुर में हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एचबीटीयू को तेल, पेंट, प्लास्टिक और खाद्य प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उसके योगदान के लिए जाना जाता है। इस संस्थान का एक गौरवशाली इतिहास है, जो 20वीं सदी के प्रारंभ से ही देश में हो रहे औद्योगिक विकास से जुड़ा है। एचबीटीयू द्वारा उपलब्ध कराई गई प्रौद्योगिकी और मानव संसाधनों का कानपुर को 'मैनचेस्टर ऑफ द ईस्ट', 'लैदर सिटी ऑफ वर्ल्ड' तथा 'औद्योगिक हब' के रूप में प्रसिद्धि दिलाने में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि जब एचबीटीयू अपनी शताब्दी समारोह मना रहा है, देश आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव का आयोजन कर रहा है। वर्ष 2047 में जब पूरा देश स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहा होगा, तब एचबीटीयू अपनी स्थापना की 125 वर्ष पूरे कर रहा होगा। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में एचबीटीयू की मौजूदा 166वीं रैंकिंग की ओर इशारा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि एचबीटीयू के सभी हितधारकों का यह प्रयास होना चाहिए कि वर्ष 2047 तक यह विश्वविद्यालय देश के शीर्ष 25 संस्थानों में स्थान हासिल करे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम करना होगा। उन्हें विश्वास है कि सभी हितधारक एचबीटीयू और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अपनी ओर से हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व में केवल वे ही देश सबसे आगे रहते हैं, जो नवाचार और नई तकनीक को प्राथमिकता देते हैं तथा अपने नागरिकों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए लगातार सक्षम बनाते रहते हैं। हमारे देश ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी अपनी साख बढ़ाई है लेकिन हमें अभी भी लंबा सफर तय करना है। इस संदर्भ में एचबीटीयू जैसे संस्थाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे तकनीकी संस्थानों को अपने छात्रों में नवाचार और उद्यमिता की भावना का समावेश करना चाहिए। छात्रों को प्रारंभ से ही ऐसा माहौल उपलब्ध कराया जाना चाहिए जिससे वे 'नौकरी मांगने वाले' के स्थान पर 'नौकरी देने वाले' बनकर देश के विकास में अपना योगदान दे सकें।

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की किताब नहीं होगी बैन, याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद को बड़ी राहत देकर उनकी किताब पर बैन लगाने वाली याचिका को खारिज कर दिया है।खुर्शीद की किताब 'सनराइज ओवर अयोध्या' पब्लिश होने के बाद से विवादों में बनी हुई है।याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में किताब के प्रकाशन और बिक्री पर रोक लगाने की मांग की थी।दरअसल खुर्शीद ने अपनी किताब में हिंदुत्व की तुलना आईएसआईएस और बोको हराम जैसे आतंकी संगठनों से की है।इस बीच वकील विनीत जिंदल ने हाई कोर्ट में याचिका दायर करके कांग्रेस नेता की किताब के प्रकाशन और बिक्री पर तुरंत रोक लगाने की अपील की थी। याचिकाकर्ता ने अपनी अपील में कहा था कि किताब में हिंदुत्व की तुलना आईएसआईएस और बोको हराम जैसे आतंकी संगठनों से की गई है,इससे करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है।कोर्ट ने कहा कि अगर लोग इस किताब को लेकर इतना संवेदनशील महसूस कर रहे हैं,तब वह क्या कर सकते हैं किसी ने उन्हें यह किताब पढ़ने के लिए नहीं कहा है।न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की पीठ ने कहा कि यह लाइनें किताब का एक अंश मात्र हैं।बाद में, वकील ने तर्क दिया कि पुस्तक से सांप्रदायिक समस्याएं पैदा हो सकती है,तब इस हटाने की अपील की।न्यायाधीश ने याचिका और वकील की अपील को खारिज करते हुए कहा, 'सभी को कुछ बेहतर पढ़ने के लिए कहें।

जर्मनी में सत्ता बदलने के बाद भी भारत से कूटनीतिक रिश्ते पहले की तरह मजबूत रहेंगे

नई दिल्ली। भारत-जर्मनी वर्तमान में सबसे स्वाभाविक सहयोगी हैं। आने वाले समय में चाहे व्यापार का मसला हो या सामरिक मोर्चा, दोनों देश मिलकर परस्पर सहयोग के साथ काम करने वाले है। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे से लेकर अफगानिस्तान-आंतकवाद से जुड़े मसलों पर दोनों देशों के विचार मिलते हैं। वे सहयोग की दिशा में लगातार आगे बढ़े रहे हैं। भारत में जर्मनी के राजदूत वाल्टर जे लिंडनर ने यह बात की है।जर्मनी में नई सरकार गठन के तुरंत बाद जे लिंडनर ने कहा कि कूटनीतिक स्तर पर जर्मनी में नेतृत्व बदलने से भारत के साथ रिश्ते पर असर नहीं होगा। जर्मनी के नए चांससर ओलाफ शॉल्त्स बने हैं, जो मौजूदा प्रमुख एंजेला मर्केल की जगह लेने वाले है। लिंडनर ने कहा कि मर्केल ग्लासगो समिट में अपने उत्तराधिकारी के साथ गई थीं। यह जर्मनी के मजबूत लोकतंत्र की निशानी है। उन्होंने कहा कि दिसंबर के पहले हफ्ते में पदभार ग्रहण करने के बाद जल्द से जल्द भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात हो सकती है। अफगानिस्तान के हालात को लेकर लिंडनर ने कहा कि भारत और जर्मनी के विचार लगभग समान हैं। लिंडनर ने कहा कि दोनों देश मिलकर तय करने वाले हैं, कि वहां न मानवीय त्रासदी और न ही आतंकवाद पनपे। उन्होंने कहा कि जर्मनी हमेशा चाहता है कि इस इलाके में अमन चैन का माहौल रहे और इसके लिए भारत से मिलकर कोशिश जारी रहेगी। कोविड से उपजे हालात और लोगों की आवाजाही में हो रही दिक्कतों के बारे में जर्मनी के कूटनीतिक अधिकारी ने कहा कि उनके देश से हर साल 3 लाख लोग बतौर पर्यटक आते हैं। इसी तरह जर्मनी में भारत के सबसे अधिक छात्र हैं। इन पर कोविड का असर जरूर पड़ा है। लॉकडाउन के कारण दिक्कतें आईं, वीजा देने में कमी आई। साथ ही एयर बबल का भी मुद्दा है।

मोदी ने जेवर एयरपोर्ट का किया शिलान्यास

पूर्ववर्ती सरकारों पर स्वार्थ की राजनीति करने का लगाया आरोप

लखनऊ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रेटर नोएडा के जेवर इलाके में पड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय विमानतल की आधारशिला रखते हुए केंद्र व यूपी की पूर्ववर्ती सरकारों पर स्वार्थ की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होने कहा राज्य के पश्चिमी हिस्से के विकास को नजरअंदाज किया गया है। मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए दावा किया उनकी राष्ट्र भक्ति के आगे कुछ राजनीतिक दलों की स्वार्थ नीति कभी नहीं टिक सकती। प्रधानमंत्री ने विमानतल की आधारशिला रखने के बाद वहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र व उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों ने कैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास को नजरअंदाज किया, उसका जीता-जागता उदाहरण जेवर विमानतल है। मोदी ने कहा कि इस एयरपोर्ट का सपना दो दशक पहले बीजेपी की सरकार ने देखा था लेकिन बाद की दिल्ली व लखनऊ की सरकारों की खींचतान में यह उलझा रहा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार ने तो बाकायदा चिट्ठी लिखकर तत्कालीन केंद्र सरकार को इस परियोजना को बंद करने को कह दिया था। उन्होंने कहा, अब 'डबल इंजन' की सरकार के प्रयासों से आज हम उसी विमानतल के भूमिपूजन के साक्षी बन रहे हैं। विपक्षी दलों पर प्रधानमंत्री ने स्वार्थ को सर्वोपरि रखने का आरोप लगाया और कहा कि इसके उलट भाजपा-नीत सरकारों का मंत्र सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास-सबका प्रयास रहा है। विगत एक महीने में देश के अलग-अलग हिस्सों में हुए विकास योजनाओं के शिलान्यास व उद्घाटन का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में 21वीं सदी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनेक आधुनिक परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा, यही गति, यही प्रगति एक सक्षम और सशक्त भारत की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अवसंरचना विकास उनके लिए राजनीति का नहीं बल्कि राष्ट्रनीति का हिस्सा है और उनकी सरकार सुनिश्चित करती है कि ऐसी परियोजनाएं अटके, लटके और भटके नहीं और वह समयसीमा में पूरी हों। मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों ने जिस उत्तर प्रदेश को अभाव और अंधकार में बनाए रखा और उसे हमेशा ''झूठे सपने'' दिखाए, वही राज्य आज राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय छाप छोड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि आजादी के सात दशक बाद पहली बार उत्तर प्रदेश को वह सब मिलना शुरु हुआ है, जिसका वह हमेशा से हकदार रहा है। उन्होंने कहा, डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से आज उत्तर प्रदेश, देश में संपर्क के सबसे बेहतर क्षेत्र में परिवर्तित हो रहा है। नोएडा विमानतल के तैयार हो जाने के बाद उत्तर प्रदेश पांच अंतरराष्ट्रीय विमानतलों वाला देश का एकमात्र राज्य बन जाएगा।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उपस्थित थे। विमानतल का शिलान्यास करने से पहले प्रधानमंत्री ने आदित्यनाथ और सिंधिया के साथ परियोजना के एक मॉडल का अवलोकन किया और इससे संबंधित एक लघु फिल्म भी देखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि जेवर विमानतल के बन जाने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास को एक नयी ऊंचाई मिलेगी और यहां के किसानों द्वारा पैदा किए गए गन्ने की मिठास को अंतरराष्ट्रीय उड़ान मिलेगी। करीब 1,330 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इस विमानतल से सितंबर, 2024 तक उड़ानों का परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। इसके पहले चरण को 10,050 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से पूरा किया जाना है।

अमेरिका के बाद भारत ने भी चीन, पाकिस्तान और तालिबान का किया बॉयकॉट

नई दिल्ली।

भारत भी आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के मौके पर 75 लोकतांत्रिक देशों को निमंत्रण भेज भारतीय लोकतंत्र से उन्हें रूबरु कराने के लिए कदम उठा चुका है।खास बात ये है कि भारत ने जिन देशों को न्यौता भेजा है, उनमें पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान शामिल नहीं है।इससे साफ जाहिर है कि अमृत महोत्सव में हिस्सा लेने के लिए निमंत्रण केवल लोकतांत्रिक देशों को ही दिया गया है। गौरतलब है कि चीन में तानाशाही सत्ता है, वहीं पाकिस्तान में कहने को लोकतंत्र है, लेकिन हर कोई जानता है कि पाकिस्तान में सत्ता की चाबी सेना के हाथ में रहती है।वहीं अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हो गया था और वहां की तालिबान सरकार को अभी तक विश्व के किसी देश ने मान्यता नहीं दी है।नेक्स्ट-जनरेशन डेमोक्रेसी नाम के इस कार्यक्रम के तहत 8 देशों का पहला प्रतिनिधिमंडल भारत पहुंच चुका है।पहला प्रतिनिधिमंडल 25 नवंबर से 2 दिसंबर तक भारत दौरे पर रहेगा।प्रतिनिधिमंडल में भूटान, स्वीडन, जमैका, तंज़ानिया, श्रीलंका, पोलैंड, उज़्बेकिस्तान और मलेशिया शामिल है। इन देशों के 35 साल से कम उम्र के युवाओं को कार्यक्रम में शामिल किया जा रहा है और आईसीसीआर यानी भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है।

75 से 100 साल तक भारत को कहां से कहां पहुंचाना है, इसका हम संकल्प लें: मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इंडियन चैंबर ऑफ़ कॉमर्स (ICC) के वार्षिक सत्र और एजीएम को संबोधित किया। इस संबोधन का विषय था - भारत75 - एमपॉवरिंग नॉर्थ-ईस्ट इंडिया। अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2014 में जब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बने तब उन्होंने भारत के विकास के साथ-साथ पूर्वोत्तर के विकास के लिए अपना विज़न साझा किया था। प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि किसी भी देश का जब तक सर्वसमावेशी, सर्वसपर्शी और संतुलित विकास ना हो, तब तक वह देश आगे नहीं बढ़ सकता। श्री शाह ने कहा कि आज़ादी के बाद पश्चिमी और दक्षिणी भारत में विकास ज़्यादा हुआ लेकिन अगर 70 सालों की पृष्ठभूमि में देखें तो लगता था कि पूर्वी भारत कहीं ना कहीं पिछड़ गया है। प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि हमारी सरकार आने पर हम पूर्वी भारत के विकास पर फ़ोकस करेंगे और इसे शेष भारत के विकास के समकक्ष लाकर देश के विकास में योगदान देने वाला बनाएंगे और मुझे ये बताते हुए आनंद हो रहा है कि पिछले 7 साल में पूर्वी क्षेत्र में परिवर्तन की बयार देखी जा सकती है। उन्होने कहा कि जब हम पूर्वी भारत के विकास की बात करते हैं तो पूर्वोत्तर के विकास के बिना इसकी कल्पना ही नहीं की जा सकती। गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज़ादी के अमृत महोत्सव के दो हिस्से हैं। पहला हिस्सा है कि जिन जाने-अनजाने शहीदों ने हमें आज़ादी दिलाने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, उन्हें याद करके नई पीढ़ी को उनसे जोड़ा जाए। दूसरे हिस्से के अंतर्गत 75 से 100 साल तक भारत को कहां से कहां पहुंचाना है, इसका हम संकल्प लें। प्रधानमंत्री ने इन 25 सालों को आज़ादी का अमृत काल कहा है और इन 25 सालों में भारत दुनिया में हर क्षेत्र में सर्वप्रथम हो, इस दृष्टि से आगे बढ़ना है। आर्थिक विकास के क्षेत्र में प्रधानमंत्री जी ने हमारे सामने पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा है और पूर्वोत्तर के विकास के बिना यह संभव नहीं हो सकता। अमित शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है और जब तक इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा नहीं जाता।

आने वाले समय में स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए हम कई कदम उठाने जा रहे हैं: सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब आप सभी खिलाड़ियों की जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ जाती है। भगवान करें कि एक तरफ, आप सभी और भी ज्यादा मेडल जीतें और देश का नाम रौशन करें। दूसरी तरफ, देश और दिल्ली के बच्चों को आगे बढ़ने के लिए आप तैयार करें। जिस तरह आप आगे बढ़े और खूब संघर्ष किया, उसी तरह अब आप दूसरे बच्चों को भी तैयार करें। एक-एक खिलाड़ी दस-दस ऐसे बच्चों को तैयार कर ले और वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल लेकर आए, तो भारत का बहुत नाम रौशन होगा। मुझे बेहद खुशी है कि रवि दाहिया को आज नियुक्ति पत्र मिला। इसके अलावा, शरद कुमार का भी नियुक्ति पत्र तैयार हो रहा है। जैसा कि सभी जानते हैं कि दिल्ली में हमने शिक्षा और स्वास्थ्य को बहुत ज्यादा तबज्जो दी है। इसके साथ ही, अब हमारे लिए स्पोर्ट्स बहुत ज्यादा प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। पिछले कुछ वर्षों में हमने स्पोर्ट्स के उपर कई सारे प्रयास किए हैं। अब आने समय में हम बहुत ही आक्रमकता के साथ स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए कई सारे कदम उठाने जा रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि मैं जब मुख्यमंत्री बना, तब मेरे पास बहुत सारे प्रतिभाशाली बच्चे आते थे। उन बच्चों के पास प्रतिभा हैं, लेकिन उनके पास साधन नहीं होते थे। उनके माता-पिता के पास इतना पैसा नहीं होता था कि वो अपने बच्चों को आगे खेलने के लिए साधन दे सकें। हमें लगा कि ऐसे खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने में एक रिसोर्स की सबसे बड़ी कमी थी। इसलिए हमने खिलाड़ियों से बातचीत करके यह प्ले एंड प्रोग्रेस स्कीम शुरू की। इसके तहत 17 साल की उम्र तक के किसी भी बच्चे में प्रतिभा दिखाई देता है कि वह आगे बढ़ सकता है, हम उसको तीन लाख रुपए देते हैं, ताकि वह पोषण, कोचिंग, उपकरण आदि पर खर्च करना है, तो कर सकता है।

इसमें हम कोई दखल नहीं करते हैं। इस तीन लाख रुपए की मदद से आप जैसे भी अपनी प्रतिभा को बढ़ाइए। मुझे लगता है कि जब बच्चा बढ़ रहा है, उस स्तर पर इस राशि से उनको बहुत फायदा होगा। मुझे कई बच्चों ने बताया भी है कि उनको इससे बहुत फायदा हो रहा है।

राजनाथ का विपक्ष पर हमला, हम जनता की आंखों में धूल झोक कर राजनीति नहीं करते

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को उत्तर प्रदेश दौरे पर हैं। इस मौके पर सीतापुर में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को उन्होंने संबोधित किया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री सिंह ने विपक्ष पर जबरदस्त तरीके से हमला किया।रक्षा मंत्री ने कहा कि ये आध्यात्म की धरती है, ये देश की सुरक्षा करने वाले कैप्टन मनोज पांडेय की धरती है, आज यहां बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन इसी धरती पर हो रहा है। मैं कह सकता हूं कि इस बार भी भाजपा को दो तिहाई बहुमत से जीतने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि आज आप सबकी उमंग, उत्साह देख रहा हूं, जो चमक आपके अंदर देख रहा हूं उसके लिए आपका धन्यवाद है, पार्टी आपका अभिनंदन करती है, आप हमारी ताकत आप हमारी पार्टी की जान हैं। विपक्ष पर हमला कर राजनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे कहा था कि हमारे घोषणा पत्र में कोई ऐसी बात ना आ जाए जिसे हम पूरा ना कर पाएं। किसी पार्टी का कोई नेता इस तरह चिंता नहीं करता है। उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं कि घोषणा पत्र में जो भी डालना है डाल दो जनता की आंखों में धूल झोककर सत्ता हासिल कर लो, लेकिन ऐसी सत्ता हम चिमटी से भी छूना नहीं चाहते हैं। हम जनता की आंखों में धूल झोक कर नहीं, जनता की आंखों में आंखें डालकर राजनीति करना चाहते हैं।

भारतीय पशु कल्याण बोर्ड ने कहा, फिल्म शूटिंग में पुशओं का इस्तेमाल नहीं हो

नई दिल्ली। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) ने फिल्म निर्माण के सेट को पशुओं के लिए भयावह और तनाव पैदा करने वाला माहौल बताकर फिल्म व टेलीविजन शो के निर्माताओं से शूटिंग के दौरान पशुओं के बजाय आधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने को कह दिया है। इस बीच, पेटा इंडिया ने एडब्ल्यूबीआई के कदम की सराहना कर कहा कि उसने फिल्मों और टीवी शो के निर्माण में आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए उपयुक्त कदम उठाया है। जारी परामर्श में कहा कि पशुओं को अक्सर दूर के स्थानों पर ले जाया जाता है, जहां फिल्म की शूटिंग के दौरान शोर शराबे से उनका सामना होता है और पशुओं के प्रशिक्षक उनके साथ अक्सर इसतरह के तरीके अपनाते हैं जिसमें बल प्रयोग या दंड शामिल होता है। एडब्ल्यूबीआई ने कहा, फिल्म का सेट पशुओं के लिए भयावह और परेशान करने वाला माहौल होता है। इससे पशुओं के बिदकने और खुद को और दूसरों को चोट पहुंचाने की संभावना ज्यादा रहती है। काम नहीं करने पर ये पशु अपना अधिकांश जीवन जंजीर से बंधे होकर या कैद में, गंदे पिंजरे में प्रकृति और अपने लिए महत्वपूर्ण हर चीज से वंचित होकर बिताते हैं।

नौसेना में शामिल हुई INS Vela: दुश्मन जान भी न पाएगा और हो जाएगा उसका काम तमाम

नेशनल डेस्क: देश की नौसैन्य शक्ति में और बढ़ोतरी करते हुए भारतीय नौसेना ने पनडुब्बी आईएनएस वेला को यहां बृहस्पतिवार को सेवा में शामिल किया और नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह ने इसे सभी प्रकार के पनडुब्बी अभियान करने में सक्षम एक ''शक्तिशाली मंच'' बताया। भारतीय नौसेना को कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी 'प्रोजेक्ट-75' के तहत कुल छह पनडुब्बियों को सेवा में शामिल करना है। आईएनएस वेला सेवा में शामिल की गई इस श्रेणी की चौथी पनडुब्बी है। इससे पहले, नौसेना ने 21 नवंबर को युद्धपोत आईएनएस विशाखापट्टनम को सेवा में शमिल किया था। इस प्रकार नौसेना को एक सप्ताह में आईएनएस विशाखापट्टनम के बाद आईएनएस वेला के रूप में दो 'उपलब्धियां' हासिल हुई हैं। नौसेना प्रमुख ने पनडुब्बी को सेवा में शामिल किए जाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा कि 'प्रोजेक्ट 75' आगामी वर्षों में पानी के नीचे के क्षेत्र में भारतीय नौसेना की युद्धक क्षमता में बदलाव लाएगा। सिंह ने कहा, ''आईएनएस वेला सभी प्रकार के पनडुब्बी अभियानों को करने में सक्षम एक शक्तिशाली मंच है और आज की बदलती एवं जटिल सुरक्षा परिस्थिति के मद्देनजर, वेला की क्षमता और सैन्य शक्ति हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय समुद्री हितों की रक्षा करने, उन्हें बढ़ावा देने और संरक्षित करने की नौसेना की क्षमता में अहम भूमिका निभाएगी।'' मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड फ्रांस के मेसर्स नेवल ग्रुप के सहयोग से स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियों का भारत में निर्माण कर रही है। 'प्रोजेक्ट 75' में छह पनडुब्बियों का निर्माण किया जाना है, जिनमें से तीन पनडुब्बियों - आईएनएस कलवरी, आईएनएस खंडेरी, आईएनएस करंज - को पहले ही सेवा में शामिल किया जा चुका है। नौसेना ने कहा कि आईएनएस वेला पश्चिमी नौसेना कमान की पनडुब्बी सेवा में शामिल होगी और यह उसके शस्त्रागार का एक और शक्तिशाली हिस्सा होगी।

वेला का पिछला अवतार रूसी मूल की फोक्सट्रॉट श्रेणी की पनडुब्बी था, जिसे 2009 में सेवा से हटा दिया गया था। उस पनडुब्बी के चालक दल के सदस्य भी इस मौके पर मौजूद मेहमानों में शामिल थे। नौसेना ने बताया कि ये स्कॉर्पीन पनडुब्बियां अत्यंत शक्तिशाली मंच हैं और उनमें छुप कर रहने की उन्नत विशेषताएं हैं। वे लंबी दूरी की निर्देशित टारपीडो के साथ-साथ पोत-रोधी मिसाइलों से भी लैस है। इन पनडुब्बियों में एक अत्याधुनिक सोनार और सेंसर सूट है जो उत्कृष्ट

परिचालन क्षमताएं मुहैया कराता है। इनके पास प्रणोदन मोटर के रूप में एक उन्नत स्थायी चुंबकीय सिंक्रोनस मोटर है। आईएनएस वेला अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस हैं। इन सभी को 'सब्टिक्स' के नाम से जानी जाने वाली 'पनडुब्बी सामरिक एकीकृत लड़ाकू प्रणाली' में समन्वित किया गया है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com